Result Mitra

UP Special GS/GK Notes

साथियों Result Mitra प्लेटफॉर्म IAS/PCS की परीक्षा में Result देने के लिए बनाया गया शानदार प्लेटफॉर्म है. हमारा एक ही सपना है की आप अपना रिजल्ट प्राप्त कर सकें और अपने माता पिता को गर्व का अहसास करवा सकें. इसीलिए हमने इस Notes को भी इस तरह बनाया है कि अगर आप 2 दिन का समय इस NOTES को दे सकें तो, यह नोट्स आपको Result जरूर देगा क्योंकि UP Special GS/GK के अधिकांश प्रश्न यहीं से आयेंगे।

हमने पहले भी ऐसा नोट्स बनाकर इतिहास बनाया है और फिर से इतिहास बनाने जा रहे हैं. आप भी इसका हिस्सा बनिये और अपने RESULT को सुरक्षित कीजिये.

उत्तर प्रदेश (राज्य ववशेष)

Result Mitra

- उत्तर प्रदेश का संक्षिप्त अवलोकन
- उत्तर प्रदेश की भौतिक संरचना एवं जलवायु
- उत्तर प्रदेश की मिट्टी, कृषि एवं पशुपालन
- उत्तर प्रदेश में नदी तंत्र, झील, सिंचाई एवं भूगर्भ जल
- उत्तर प्रदेश में ऊर्जा संसाधन
- उत्तर प्रदेश में खनिज, वन्य संपदा तथा वन्य जीव
- उत्तर प्रदेश में परिवहन तंत्र
- उत्तर प्रदेश में जनगणना परिदृश्य
- उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक तत्व (कल, उत्सव, मेले, फिल्म एवं संग्रहालय आदि)
- उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं ऐतिहासिक धार्मिक स्थल
- उत्तर प्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व
- उत्तर प्रदेश में शिक्षा, साहित्य एवं पत्रकारिता
- उत्तर प्रदेश में अर्थव्यवस्था नियोजन एवं क्षेत्रीय विषमता
- उत्तर प्रदेश के उद्योग एवं औद्योगिक विकास
- उत्तर प्रदेश में प्रौद्योगिकी विकास एवं पर्यावरण
- उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजाति
- उत्तर प्रदेश में कल्याणकारी योजनाएं
- उत्तर प्रदेश नगरीय विकास
- उत्तर प्रदेश में राजनीतिक एवं प्रशासनिक ढांचा
- उत्तर प्रदेश एक ऐतिहासिक अध्ययन
- उत्तर प्रदेश का घटनाक्रम

Result Mitra

उत्तर प्रदेश का नामकरण

- 1836 से 1877 - उत्तर-पश्चिम प्रान्त
- 1877 से 1902 - उत्तर-पश्चिम प्रान्त आगरा एवं अवध
- 1902 से 1937 - आगरा एवं अवध का संयुक्त प्रान्त
- 1937 से 1950 - संयुक्त प्रान्त
- 24 जनवरी, 1950 से उ०प्र०
- राज्य का पुर्नगठन - 1 नवम्बर, 1956 को
- राज्य का विभाजन - 9 नवम्बर 2000 (13 जिलो को काटकर उत्तराखण्ड बना)

उत्तरप्रदेश की राजधानी

- 1836 से - आगरा
- 1858 से - इलाहाबाद
- 1921 से - लखनऊ (आंशिक़)
- 1935 से - लखनऊ (पूर्णतः)

NOTE- 1 नवंबर 1858 को ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त करने की घोषणा प्रयागराज में की गई थी. इस दिन इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में एक दिन का शाही दरबार लगाया था. इस दरबार में रानी विक्टोरिया के घोषणा पत्र को पढ़ा गया था. शाही दरबार के दौरान ही प्रयागराज एक दिन के लिए भारत की राजधानी बनी थी.लॉर्ड कैनिंग ने रानी विक्टोरिया के मेनिफ़ेस्टो को पढ़ने के लिए इलाहाबाद के मिंटो पार्क को चुना था.

❑ राजकीय चिन्ह

(यह चिन्ह 1938 में स्वीकृत हुआ)

❑ राजकीय पशु - बारहसिंगा

❑ राजकीय पक्षी - सारस अथवा क्रौंच

❑ राजकीय वृक्ष
अशोक

❑ राजकीय पुष्प
-पलास,छूल,परसा, ढाक, टेसू, किंशुक, केसू

❑ राजकीय मछली - चीतल मछली
MOY FISH

Result Mitra

- राजकीय खेल - हॉकी

राजकीय फल - आम

राजकीय मिठाई - जलेबी

- प्रथम राजकीय भाषा - Oct, 1947 से हिन्दी
- उत्तर प्रदेश में सभी कार्यालयों में हिंदी का उपयोग करने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाया गया - 26 JAN,1968
- द्वितीय राजकीय भाषा - 1989 से उर्दू

Result Mitra

उत्तर प्रदेश भौगोलिक संरचना

- अक्षांशीय विस्तार
  23°52' NL से 31°-25' NL
- देशांतर विस्तार
  77°05' EL से 84°39' EL
- उत्तर प्रदेश प्रदेश का कुल क्षेत्रफल
  2,40,928 वर्ग किमी
  (भारत का 7.33%)
- देश में स्थान : 4वाँ

  1. राजस्थान, 2. म.प्र. 3. महाराष्ट्र
- प्रदेश का सबसे पूर्वी जिला : बलिया
- प्रदेश का सबसे पश्चिमी जिला : शामली
- प्रदेश का सबसे उत्तरी जिला : सहारनपुर
- प्रदेश का सबसे दक्षिणी जिला : सोनभद्र

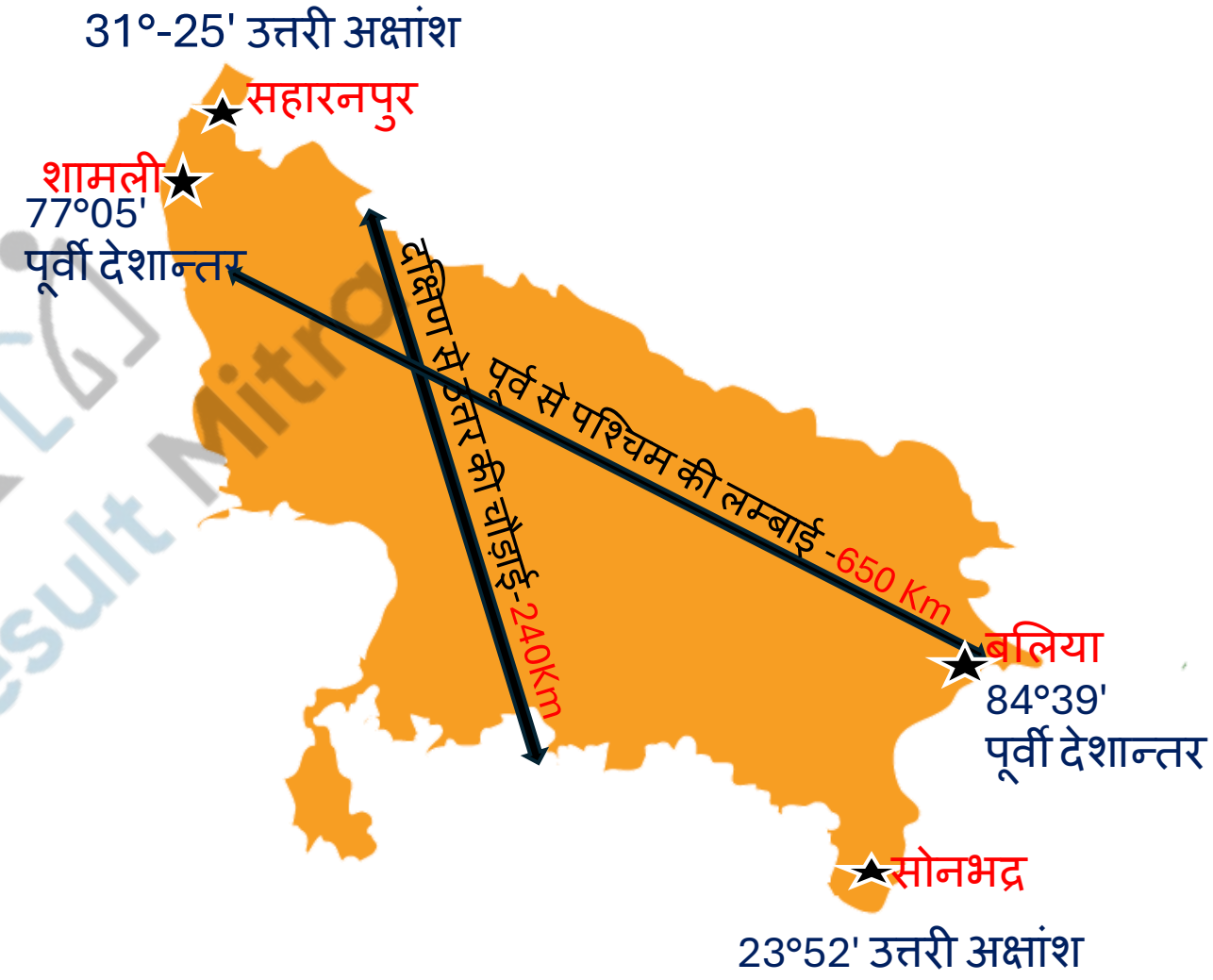

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

उत्तर प्रदेश की अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएँ

- उत्तराखण्ड से सटे 7 जिलें क्रमशः प० से पू०- सहारनपुर, मुजफ्फर नगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और पीलीभीत
- नेपाल से सटे 7 जिलें क्रमशः पू० से प०- महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रवस्ती, बहराइच,लखीमपुरऔर पीलीभीत।
- बिहार से 7 सटे जिले क्रमशः द० से उ० - सोनभद्र, चन्दौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज।
- छत्तीसगढ़ से सटे जिले : केवल सोनभद्र
- झारखण्ड से सटे जिले : केवल सोनभद्र
- मध्य प्रदेश से सटे 11 जिले क्रमशः द० से उ० आगरा, इटावा, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोंबा, बांदा, चित्रकूट,प्रयागराज, मिर्जापुर और सोनभद्र।
- राजस्थान से सटे 2 जिले क्रमशः उ० से द० : आगरा एवं मथुरा
- हरियाणा से सटे 6 जिलें क्रमशः उ० से द०: सहारनपुर, शामली, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़
- दिल्ली से सटे 2 जिले क्रमशः उ० से द० - गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर

- ❑ प्रदेश के सबसे दक्षिणी बिन्दु को स्पर्श करने वाला राज्य : छत्तीसगढ़
- ❑ प्रदेश के सबसे उत्तर-पश्चिमी बिन्दु को स्पर्श करने वाला राज्य : हिमाचल प्रदेश
- ❑ प्रदेश के सबसे पूर्वी बिन्दु को स्पर्श करने वाला राज्य : बिहार
- ❑ प्रदेश के सबसे पश्चिमी बिन्दु को स्पर्श करने वाले राज्य : हरियाणा
- ❑ प्रदेश की नेपाल सीमा लम्बाई : लगभग 579 किमी
- ❑ प्रदेश से सटे राज्यों की संख्या : 9 (8 राज्य + 1 केन्द्रशासित प्रदेश)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) // राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR)

National Capital Region
Planning Board Act of -1985

1. Shamli
2. Muzaffarnagar
3. Baghpat
4. Meerut
5. Ghaziabad
6. Hapur
7. Gautam Buddh Nagar
8. Bulandshahr

एनसीआर में शामिल करने हेतु प्रस्तावित जिले :

1. SAHARANPUR
2. ALIGARH
3. HATHRAS
4. MATHURA

- ❑ राज्य सरकार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) बनाने जा रही है।
- ❑ इसमें पहले चरण में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी को रखा गया है।

उत्तर प्रदेश में कुल 18 मंडल और 75 जिले // एक जिला एक उत्पाद (ODOP)

Result Mitra

1.-सहारनपुर मंडल

i. मुजफ्फर नगर -गुड़

i. सहारनपुर - लकड़ी पर नक्काशी

i. शामली - लौहकला

2. मुरादाबाद मंडल-

बिजनौर - काष्ठ कला

अमरोहा - वाद्य यंत्र (ढोलक)

मुरादाबाद - धातु शिल्प

रामपुर - पैचवर्क के साथ एप्लिक वर्क, जरी पैचवर्क एवं मेंथा , चाकू

संभल - हस्तशिल्प (हॉर्न अस्थि)

उत्तर प्रदेश में कुल 18 मंडल और 75 जिले // एक जिला एक उत्पाद (ODOP)

One District One Product

⇒ 1. सहारनपुर - काष्ठ शिल्प
2. शामली - रिम एवं धुरा
3. मुजफ्फरनगर - गुड़

⇒ 1. मेरठ - खेल का सामान
2. बागपत - खेल का सामान, घरेलू सजावटी समान
3. बुलन्दशहर - चीनी मिट्टी बर्तन
4. हापुड़ - घरेलू सजावटी समान
5. गाजियाबाद - यांत्रिकी उत्पाद
6. गौ. बु. नगर - सिले सिलाए वस्त्र

⇒ 1. अलीगढ़ - ताले व हार्डवेयर
2. हाथरस - हींग
3. एटा - घुंघरू, घंटी
4. कासगंज - जरी जरदोजी

⇒ 1. आगरा - चमड़ा उत्पाद
2. मथुरा - स्वच्छतासंबंधी उपकरण
3. फिरोजाबाद - कांच उत्पाद
4. मैनपुरी - तारकशी कला

⇒ 1. कानपुर नगर - चमड़ा
2. कानपुर देहात - जस्ता बर्तन
3. औरैया - दूध (घी)
4. इटावा - वस्त्र उत्पाद
5. फर्रुखाबाद - ब्लाक प्रिंटिंग
6. कन्नौज - इत्र

⇒ 1. झाँसी - साफ्ट खिलौने
2. जालौन - हस्त निर्मित कागज
3. ललितपुर - जरी सिल्क

⇒ 1. चित्रकूट - लकड़ी के खिलौने
2. बांदा - शजर पत्थर शिल्प
3. महोबा - गौरा पत्थर शिल्प
4. हमीरपुर - जूती

⇒ 1. प्रयागराज - मूंज उत्पाद
2. कौशाम्बी - केला
3. प्रतापगढ़ - आंवला
4. फतेहपुर - बेडशीट

⇒ मुरादाबाद - धातु के बर्तन 3. अमरोहा - ढोलक
2. रामपुर - चाकू 4. संभल - हड्डी के वस्तु 5. बिजनौर - काष्ठ शिल्प

⇒ 1. मिर्जापुर - कालीन
2. भदोही - कालीन
3. सोनभद्र - कालीन

⇒ 1. वाराणसी - रेशमी उत्पाद
2. जौनपुर - ऊनी दरी
3. गाजीपुर - जूट वाल हैंगिंग्स
4. चन्दौली - जरी-जरदोजी

⇒ 1. आजमगढ़ - काली मिट्टी कलाकृति
2. मऊ - वस्त्र उत्पाद
3. बलिया - बिंदी

⇒ 1. गोरखपुर - मिट्टी बर्तन
2. महाराजगंज - फर्नीचर
3. कुशीनगर - केला रेशा उत्पाद
4. देवरिया - सजावटी उत्पाद

⇒ 1. बस्ती - काष्ठ शिल्प
2. सिद्धार्थनगर - काला नमक चावल
3. संत कबीरनगर - पीतल के बर्तन

⇒ 1. देवीपाटन (गोंडा) - दाल
2. बलरामपुर - दाल
3. श्रावस्ती - जनजातीय शिल्प
4. बहराइच - गेहूँ डंठल की कलाकृतियाँ

⇒ लखनऊ मण्डल - चिकनकारी, जरी-जरदोजी
2. खीरी - जनजातीय शिल्प
3. हरदोई - हथकरघा
4. सीतापुर - दरी
5. रायबरेली - काष्ठ शिल्प
6. उन्नाव - जरी जरदोजी

⇒ अयोध्या - गुड़
2. बाराबंकी - हथकरघा
3. सुल्तानपुर - मूंज उत्पाद
4. अमेठी - मूंज उत्पाद
5. अम्बेडकरनगर - वस्त्र उत्पाद

⇒ बरेली - जरी जरदोजी
2. पीलीभीत - बांसुरी
3. शाहजहांपुर - जरी जरदोजी
4. बदायूं - जरी जरदोजी

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

मुख्यालय से भिन्न नाम वाले जिले

जिले का नाम	मुख्यालय
अमेठी	गौरीगंज
संत कबीर नगर	खलीलाबाद
कौशांबी	मंझनपुर
अंबेडकर नगर	अकबरपुर
कुशीनगर	पडरौना
कानपुर देहात	अकबरपुर माटी
सिद्धार्थ नगर	नौगढ़
सोनभद्र	रॉबर्ट्सगंज
जालौन	उरई
फर्रूखाबाद	फतेहगढ़
संभल	बहजोई
गौतमबुद्ध नगर	नोएडा
संत रविदास नगर (भदोही)	ज्ञानपुर

नगर निगम वाले नगर

नगर निगम	नगर निगम
अयोध्या	मथुरा
अलीगढ़	मेरठ
आगरा	मुरादाबाद
कानपुर नगर	लखनऊ
गाजियाबाद	वाराणसी
गोरखपुर	सहारनपुर
झांसी	शाहजहांपुर
प्रयागराज	
फिरोज़ाबाद	
बरेली	

- प्रदेश का सबसे बड़ा नगर निगम कानपुर नगर निगम है।
- इस नगर निगम का गठन 1959 में किय गया था।

Result Mitra

नवसृजित जिले

- संभल (28.9.11) -72th — मुरादा. व बदायूं से
- हापुड़ (28.9.11) - 73th — गाजियाबाद से
- शामली (28.9.11) - 74th — मुजफ्फरनगर से
- अमेठी (5 जुलाई, 2013) - 75th — रायबरे, व सुल्तान से

उत्तर प्रदेश के 5 बड़े जिले

जिले का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)
Lakhimpur Khiri	7,680
Sonbhadra	6,905
Hardoi	5,986
Sitapur	5,743
Prayagraj	5,482

उत्तर प्रदेश के सबसे छोटे जिले

जिले का नाम	क्षेत्रफल(वर्ग किमी)
Hapur	660
Gaziabad	910
Bhadohi	1,015
Shamli	1,212
Gautam Budh Nagar	1,282

Result Mitra

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख शहर, नगरों के नाम व उनके उपनाम

Result Mitra

शहर का नाम	उपनाम
लखनऊ	नवाबों का शहर, बागौ का नगर, नजाकत नफासत का शहर
वाराणसी	घाटों का नगर, विश्वनाथ नगरी, मुक्त नगर
आगरा	ताज नगरी, पेठानगरी
प्रयागराज	संगम नगरी, कुम्भनगरी, तार्थराज
गोरखपुर	गोरख धाम, नाथ नगर
मथुरा	कृष्ण नगरी , पेड़ों का नगर, पण्डों का नगरी
फिरोजाबाद	चूड़ा नगरी, सुहागनगरी
मुरादाबाद	बर्तनों का शहर, पीतल नगरी
मलाहाबाद	आमी का नगर
गाजियाबाद	उद्योग नगरी, छोटा दिल्ला
अयोध्या	रामनगरी, रामभूमि स्थल, तार्थनगर

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख शहर, नगरों के नाम व उनके उ

शहर का नाम	उपनाम
कन्नोज	खुशबुओं का शहर, इत्रनगरी
अलीगढ़	ताला नगरी
बरेला	सुरमा नगरी, बांस बरेला
कानपुर	उद्योग नगरी, चर्मनगर
मेरठ	क्रान्ति नगर, केंचा नगर
रामपुर	चाकुओं का नगर, नवाबों का शहर
गाजीपुर	काशी की बहिन
नैमिषारण्य	88 हज़ार ऋषियों की तपोभूमि, 30 हज़ार तीर्थों का स्थान

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख शहर, नगरों के नाम व उनके उपनाम

Result Mitra

- प्रतापगढ़- आंवला नगरी
- मलीहाबाद- आमों का नगर
- गोरखपुर - गोरख-धाम, नाथ नगर, गीता प्रेस नगर
- कानपुर- चर्मनगर, उद्योग नगर, पूर्वोत्तर भारत का मैनचेस्टर
- गाजियाबाद - छोटा दिल्ली, उद्योग नगरी
- नोएडा- उत्तर प्रदेश का शो विंडो
- अयोध्या - रामनगर, रामजन्मभूमि स्थल
- शुक्रताल - भागवत कथा नगर
- नैमिषारण्य - 88 हज़ार ऋषियों की तपोभूमि, 30 हज़ार तीर्थों का स्थान
- मेरठ- कैंची नगर, क्रांति नगर
- कन्नौज - कश्मीरी, खुशबुओं का शहर
- चंदौली- धान का कटोरा
- रामपुर - चाकुओं का नगर
- आगरा- ताजनगरी, पेठानगरी
- संडीला (हरदोई) - लड्डू नगरी
- फ़िरोज़ाबाद - सुहागनगरी, चूड़ीनगरी
- हाथरस - हींग व गुलाल नगरी
- मथुरा - कृष्णनगरी, पेड़ानगर, पंडो का नगर
- अलीगढ- ताला नगरी
- सोनभद्र- सोनांचल, पावर कैपिटल ऑफ़ इंडिया
- बरेली- बांस बरेली, सुरमा नगरी
- लखनऊ- नवाबों का शहर, बागों का नगर, नजाकत-नफासत का शहर
- मुरादाबाद- पीतल नगरी, बर्तनों का शहर
- जौनपुर- शिराज-ए-हिन्द, पूर्व का शिराज
- वाराणसी - विश्वनाथ नगरी, शिव नगरी, घाटों का नगर, मुक्ति क्षेत्र ,रांड-सांड और पंडो का नगर
- प्रयागराज- संगम नगरी, कुम्भनगरी, तीर्थराज, अमरुद

उत्तर प्रदेश के नगरों के प्राचीन नाम

लक्ष्मणपुर, लखनपुर	- लखनऊ
काशी	-वाराणसी
कानकुब्ज, नगर महोदश्री	- कन्नौज
प्रयागराज	- इलाहाबाद
गोरक्ष नगर	-गोरखपुर
कुशीनारा	- कुशीनगर
अहिछत्र	- रामनगर (बरेली)
मधुपरी	- मथुरा
पिपरहवा	-कपिलवस्तु (सिद्धार्थ नगर)
अयाज्सा, अवध	-अयोध्या (फैजाबाद)
ऋषिपतन, सिंहपुर	- सारनाथ (वाराणसी)
ब्रह्मसारिणी	- बरसाना (मथुरा)
ब्रह्मावर्त	- बिठूर (कानपुर)
दानतीर्थ	- हस्तिनापुर (मेरठ)
शूकर क्षेत्र	- सोरो (कासंगज)
श्रावस्ती	- सहेट-महेट (श्रावस्ती)
काम्पिल्य	-कम्पिल (फर्रुखाबाद)

Result Mitra

उत्तर प्रदेश : भौतिक संरचना एवं जलवायु

Result Mitra

जलवायु (Climate) :- उष्ण कटिबंधीय व मानसूनी जलवायु
अर्थात् समशीतोष्ण उष्ण कटिबंधीय जलवायु
या उपोष्ण मानसूनी जलवायु

ग्रीष्म ऋतु

- ग्रीष्म ऋतु में प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान 36°C से 39°C तक
- औसत न्यूनतम तापमान 21°C से 23°C तक
- प्रदेश का औसत तापान्तर 14°C
- इस ऋतु में कर्क रेखा नजदीक होने के कारण प्रयागराज, कानपुर, फतेहपुर, आगरा, बांदा, चित्रकूट, महोबा, झांसी, हमीरपुर, जालौन, ललितपुर आदि बुन्देलखण्डीय नगरों का तापमान 40° से 47°C तक पहुँच जाता है।
- मई-जून महीनें में पश्चिमी हवाएं तीव्र हो जाती हैं जिन्हें 'लू' कहा जाता है।
- सबसे अधिक गर्मी आगरा व झांसी में और सबसे कम बरेली में पड़ती है।

वर्षा ऋतु

- दक्षिण-पश्चिमी मानसून से कुछ वर्षा प्रदेश के पठारी तथा पश्चिमी मैदान में होती है।
- गोरखपुर क्षेत्र में प्रदेश की सर्वाधिक (184.7 Cm) वर्षा होती है
- मथुरा में सबसे कम (54.4 Cm) वर्षा
- पूर्वी मैदानी क्षेत्र में औसत वर्षा 112 सेमी

- मध्यवर्ती मैदानी क्षेत्र में 94 सेमी
- पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में 84 सेमी
- दक्षिणी पहाड़ी-पठारी क्षेत्र में औसत वर्षा 91 सेमी
- प्रदेश में जैसे-जैसे हिमालय से दूर होते है या जैसे-जैसे पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते है वर्षा की मात्रा में कमी होती जाती है
- प्रदेश के सम्पूर्ण वर्षा का लगभग 83% वर्षा इसी ऋतु (जुलाई से सितम्बर तक) में होती है, शेष वर्षा जाड़ों तथा गर्मियों में होती है।

शीत ऋतु

- जनवरी प्रदेश का सर्वाधिक ठण्डा महीना है।
- दक्षिणी पहाड़ी तथा पठारी क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान 28.3°C और औसत न्यूनतम तापमान 13.3°C रहता है, वहीं मैदानी क्षेत्रों में 27.2°C से 11.7°C तक रहता है।
- प्रदेश में शीत ऋतु में तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर कम होता जाता है।
- उत्तरी-पश्चिमी जिलों में शीत ऋतु में औसत तापमान अन्य सभी क्षेत्रों से सबसे कम लगभग 10°C रहता है।
- शीतकाल में भूमध्य सागरीय क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले चक्रवातों के पाकिस्तान के रास्ते भारत में प्रवेश करने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 सेमी से अधिक वर्षा हो जाती है जो रबी की फसल के लिए लाभदायक है।

उत्तर प्रदेश : मिट्टी, कृषि एवं पशुपालन

Result Mitra

भाँवर एवं तराई क्षेत्र की मृदाएं

- भॉवर क्षेत्र हिमालयी नदियों के भारी निक्षेपों से निर्मित होने के कारण यहाँ की मिट्टी कंकड़ों-पत्थरों तथा मोटे बालुओं से निर्मित है जो कि काफी छिछली होती है। अतः जल नीचे चला जाता है। इस क्षेत्र में कृषि कार्य असंभव है। यहाँ ज्यादातर झाड़ियों एवं वन पाये जाते है।
- जबकि तराई क्षेत्र की मृदा समतल, दलदली, नम और ऊपजाऊ है। इस मृदा में गन्ने एवं धान की पैदावार अच्छी होती है।

मध्य के मैदानी क्षेत्र की मृदाएँ

खादर मृदा -

- जो मृदा नदियों द्वारा प्रत्येक बाढ़ के साथ परिवर्तित होती रहती है उसे खादर या कछारी या नवीन जलोढ़ मृदा कहा जाता है।
- यह मृदा हल्के भूरे रंग की, छिद्र युक्त महीन कणों वाली तथा बांगर की अपेक्षा अधिक जल धारण करने की क्षमता वाली होती है।
- इस मृदा में चूना, पोटाश, मैग्नेशियम तथा जैव-तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसे बलुआ, सिल्ट बलुआ, दोमट, मटियार या मटियार दोमट आदि नामों से भी जाना जाता है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Result Mitra

बांगर मृदा-

- गंगा-यमुना मैदानी क्षेत्र का वह भाग जहाँ नदियों के बाढ़ का जल नहीं पहुँच पाता है वहाँ की मृदा को बांगर या पुरानी जलोढ़ मृदा कहा जाता है।
- इसे उपहार मृदा, दोमट, मटियार बलुई दोमट, मटियार दोमट आदि नामों से भी जाना जाता है।
- इस मृदा क्षेत्र की मिट्टियाँ परिपक्व तथा अधिक गहरी होती है।
- आदिकाल से निरन्तर कृषि उपयोग में आने के कारण इनकी उर्वरा शक्ति क्षीण हो गयी हैं और अधिक मात्रा में खाद देने की जरूरत पड़ती है। सघन कृषि और अव्यवस्थित प्रबन्ध के कारण इन मृदाओं में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस की कमी होती जा रही है अतः इन घटकों वाले खाद की अधिक आवश्यकता पड़ती है।

लवणीय तथा क्षारीय मृदाएं

- प्रदेश के बांगर मृदा वाले क्षेत्र में भूमि के समतल होने और जल निकासी का उचित प्रबन्ध न होने, नहरों से सिंचाई किये जाने, वर्षा की कमी, लवणयुक्त जल से सिंचाई, सिंचाई की अधिकता, जुताई एक ही गहराई तक करते रहने तथा क्षारीय उर्वरकों के लगातार प्रयोग आदि कारणों से लगभग 10 प्रतिशत भूमि ऊसर हो चुकी है।
- प्रदेश के अलीगढ़, मैनपुरी, कानपुर, उन्नाव, एटा, इटावा, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, इलाहाबाद आदि जिलों में पायी जाती है।

Result Mitra

- ऊसर भूमि को रेह, बंजर तथा कल्लर नामों से भी जाना जाता है।
- यह दो प्रकार की होती है- लवणीय ऊसर भूमि तथा क्षारीय ऊसर भूमि।
- क्षारीय ऊसर भूमि भी दो प्रकार की होती है- रेह युक्त ऊसर और रेहहीन ऊसर।
- लवणीय ऊसर भूमि के लवण अधिकांशतः सोडियम, पोटैशियम, सल्फेट व कैल्सियम के बने होते हैं जो भूमि के ऊपरी सतह पर सफेद परत के रूप में देखे सकते हैं। इनका P" 8.5 से कम होता है।
- रेहयुक्त क्षारीय ऊसर भूमि, जिसका कि उत्तर प्रदेश में अधिक विस्तार है, की सतह सोडियम लवणों के कारण काला होता है और P" 8.5 से अधिक होता है।

मरूस्थलीय मृदा

- यह मृदा शुष्क तथा आई- शुष्क क्षेत्रों (राजस्थान, हरियाणा, पंजाब) में पायी जाती है।
- उत्तर प्रदेश के कुछ पश्चिमी जिलों (मथुरा, आगरा, अलीगढ़) में यह मृदा पायी जाती है।
- शुष्कता व भीषण ताप के कारण चट्टानें विखंडित होकर बालू के कणों में परिणत हो जाती हैं।
- इसमें लवण व फास्फोरस अधिक मात्रा में पाये जाते हैं, परन्तु जीवांश पदार्थ व नाइट्रोजन का अभाव होता है।
- सिंचाई द्वारा कुछ मोटे अनाजों की खेती की जाती है।

Result Mitra

भूड़ मृदा

- गंगा-यमुना व उनकी सहायक नदियों के बाढ़ वाले क्षेत्रों में बहुत पहले से निर्मित बलुई मिट्टी के 10 से 20 फिट ऊँचे टीलों को भूड़ कहा जाता है। यह मृदा हल्की दोमट-बलुई होती है।

काली मृदा (रेंगुर)

- प्रदेश के पश्चिमी जिलों तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में कहीं-कहीं काली मृदा भी पायी जाती है, जिसे स्थानीय भाषा में करेल या कपास मृदा कहा जाता है।

दक्षिण के पहाड़ी-पठारी क्षेत्र की मृदाएँ

लाल मृदा

- यह मृदा दक्षिणी इलाहाबाद, झांसी, मिर्जापुर, सोनभद्र तथा चन्दौली जिलों में पायी जाती है।
- इस मृदा का निर्माण बालूमय लाल विन्ध्य चट्टानों टूटने-फूटने से हुआ है।
- इसमें मृदा में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, चूना तथा जैव तत्वों की कमी तथा लौह अंश की अधिकता पायी जाती है।
- इस मृदा वाले क्षेत्रों में दलहन और तिलहन की खेती की जाती है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Result Mitra

❑ परवा मृदा

- ❑ इस मृदा को पड़वा या पड्डुवा भी कहा जाता है जो कि हमीरपुर, जालौन तथा यमुना के तटीय क्षेत्रों विशेषकर बीहड़ों में पायी जाती है।
- ❑ यह हल्के लाल-भूरे रंग की बलुई-दोमट मृदा है जिसमें जैव तत्वों की कमी होती है।
- ❑ इस मृदा में सिंचाई और खाद के उपयोग से औसत दर्जे की उर्वरता प्राप्त की जा सकती है।
- ❑ इस मृदा में ज्वार (खरीफ) और चना (रबी) की फसल उगाई जाती है।

मार (माड़) मृदा

- ❑ यह मृतिका मृदा है, जिसका रंग काली या रेगुर मृदा के समान चिकना व काला होता है।
- ❑ इसमें 60% सिलीकेट, 15% लोहा एवं 25% एल्यूमिनियम पाया जाता है।
- ❑ इसमें जल बहुत कम मात्रा में होता है। जल पाने पर यह मृदा गोंद के समान चिपचिपी हो जाती है।
- ❑ इस मृदा में कृषि कार्य कठिन होता है अतः अल्पअवधि वाली कुछ फसले उगाई जाती है।
- ❑ यह मृदा प्रदेश के पश्चिमी जिलों में पायी जाती है।

Result Mitra

❑ राकर (राकड़) मृदा

- ❑ लाल-भूरे रंग की दानेदार मृदा है जो कि सामान्यतः ढालों पर पायी जाती है।
- ❑ मोटी राकर और पतली राकर के रूप में इसके दो वर्ग हैं। मोटी राकर माड मृदा जैसी और पतली राकर हल्की के रूप में होती है।
- ❑ इस मृदा में जैव तत्व की कमी पायी जाती है।
- ❑ खाद के प्रयोग से इसमें कुछ फसले उगाई जा सकती है। सामान्यतः इस मृदा में तिल (खरीफ) और चने (रबी) की खेती की जाती है।

भोण्टा मृदा

- ❑ इनका निर्माण विन्ध्य श्रेणी के चट्टानों के टूटने-फूटने से होता है।
- ❑ रंग में यह मृदा कुछ लालिमा लिए होती है।
- ❑ इन चट्टानी कणों के साथ हल्की दोमट का मिश्रण हो गया है वहाँ इस मृदा में मोटे अनाजों की खेती की जाती है।
- ❑ लगभग सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड क्षेत्र में शुष्क खेती की जाती है और उपज औसत होती है। खाद- पानी के प्रयोग से अच्छी उपज भी होती है

Result Mitra

Result Mitra

NOTE-

- ❑ उत्तर प्रदेश में जलीय अपरदन का वायु अपरदन की अपेक्षा अधिक प्रभाव है।
- ❑ जलीय अपरदन से लगभग सम्पूर्ण प्रदेश प्रभावित है, जबकि वायु अपरदन कुछ खास क्षेत्रों और समयों तक सीमित है।
- ❑ परत अपरदन समतल खेतों में बहुत सूक्ष्म तरीके से होता है जिसे किसान समझ नही पाता और खेत की उर्वरता कम होती रहती है। इसीलिए इसे 'किसान की मौत' कहा गया है।
- ❑ प्रदेश का यमुना और चम्बल क्षेत्र (इटावा) अवनालिका क्षरण से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं।
- ❑ प्रदेश के आगरा, मथुरा, इटावा आदि जिले इससे ज्यादे प्रभावित हैं।

कृषि-जलवायु प्रदेश

प्रदेश को 9 कृषि जलवायु प्रदेशों में बांटा गया है -

1. **भॉवर एवं तराई क्षेत्र-** हिमालय के तलहटी वाले इस क्षेत्र में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर, बहराइच, श्रावस्ती आदि जिलों के उत्तरी भाग
2. **पश्चिमी मैदान -** मेरठ मण्डल एवं आस- पास के क्षेत्र।
3. **मध्य पश्चिमी -** मैदान बरेली एवं मुरादाबाद मण्डल के क्षेत्र।
4. **दक्षिणी-पश्चिमी समशुष्क मैदान-** आगरा, मण्डल एवं आस-पास का क्षेत्र।
5. **मध्य मैदान -** कानपुर एवं लखनऊ मण्डल तथा फतेहपुर क्षेत्र।
6. **बुन्देलखण्ड प्रदेश -** झांसी एवं चित्रकूट मण्डल के क्षेत्र।

7. उत्तरी-पूर्वी मैदान- गोरखपुर मण्डल सहित गोण्डा तक का क्षेत्र।

8. पूर्वी मैदान- वाराणसी, फैजाबाद, आजमगढ़ मण्डल तथा इलाहाबाद मण्डल के कुछ क्षेत्र।

9. विन्ध्य प्रदेश- मिर्जापुर, सोनभद्र तथा दक्षिणी इलाहाबाद के क्षेत्र।

NOTE-

- 2011 के अनुसार प्रदेश की कुल कार्यशील जनसंख्या के 59.3 प्रतिशत लोग कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र में नियोजित हैं।
- इसमें से 29.0% कृषक व 30.3% कृषि श्रमिक हैं।
- राज्य के कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 24093 हजार हेक्टे. में से कृषि योग्य
- क्षेत्र 18788 हजार हे - ऊसर व खेती के अयोग्य भूमि
- 494 हे., कृषि बेकार भूमि
- 360 हजार हे.वन क्षेत्र
- 1662 हजार हे. स्थायी चारागाह भूमि
- 360 हजार हे., अन्य वृक्षों एवं झाड़ियों युक्त भूमि
- प्रदेश में कुल 7306 हजार है. क्षेत्र बाढ़ प्राभावित है इनमें से सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पश्चिमी क्षेत्र (3534 हजार हे.) में हैं
- 2011 के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत सीमान्त कृषक, 16 प्रतिशत लघु कृषक एवं 10 प्रतिशत बड़े कृषक हैं।

- प्रदेश में सिंचाई का सबसे बड़ा साधन है - नलकूप
- प्रदेश में औसत जोत आकार है - 0.75 हेक्टेयर
- प्रदेश का कुल परिस्थितिकीय क्षेत्र -20
- प्रदेश का मृदा समूह क्षेत्रों में बांटा गया है -8
- गोरखपुर प्रदेश का सर्वाधिक गेहूँ उत्पादक जिला है।
- सर्वाधिक उत्पादकता गंगा-घाघरा दोआब क्षेत्र की है।
- गन्ना राज्य का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण नकदी फसल है।
- राज्य में गन्ना उत्पादन के दो प्रमुख क्षेत्र हैं- (1) तराई क्षेत्र एवं (2) गंगा-यमुना का दौआब क्षेत्र।
- तम्बाकू उत्तर प्रदेश में वाराणसी, मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मैनपुरी, सहारनपुर और फर्रुखाबाद जिलों में तम्बाकू उगाई जाती है।
- प्रदेश में चावल की अपेक्षा गेहूँ की खेती अधिक क्षेत्र पर होती है
- चने का सर्वाधिक उत्पादन बुन्देलखण्ड क्षेत्र में होता है
- राज्य में कपास की खेती मुख्यतः रूहेलखण्ड क्षेत्र में की जाती है
- बाराबंकी अफीम की खेती के लिए प्रसिद्ध का (सबसे बड़ा उत्पादक) है । गाजीपुर में राज्य का एक मात्र अफीम फैक्ट्री है।
- मक्का उत्पादन राज्य के मेरठ फर्रुखाबाद, गाजियाबाद, गोण्डा, बुलन्दशहर, बहराइच, जौनपुर, फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी इत्यादि जिलों में इसकी खेती की जाती है।
- प्रदेश के सीतापुर, हरदोई, एटा, बदायूँ, मैनपुरी, मुरादाबाद आदि जिलों में थोड़ी मात्रा में मूंगफली की खेती की जाती है।
- लखनऊ स्थित केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमान खेड़ा में देश का प्रथम बागवानी काल सेंटर खोला गया है।
- लखनऊ का मलीहावादी दशहरी, सहारनपुर का सफेदा व चौसा, मेरठ व बागपत का रटौल तथा वाराणसी का लंगडा आम प्रसिद्ध है।
- प्रदेश में उत्पादित आम को देश के विभिन्न शहरों में 'नबाब ब्राण्ड' नाम से प्रचारित किया जाता है।
- अमरूद- इलाहाबादी सफेदा, लखनऊ- 49 (सरदार) व ललित सुर्खा निर्यातक प्रजाति हैं।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- प्रदेश में विशेष रूप से आंवले की खेती - प्रतापगढ़
- उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे अधिक दूध का उत्पादन करने वाला प्रदेश है
- उत्तर प्रदेश, भारत में सब्जियों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है
- उत्तर प्रदेश, भारत में में खाद्य अनाज उत्पादन का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है
- उत्तर प्रदेश निम्न के उत्पदान में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है; गेहूं, गन्ना, आलू , दूध, सब्जियों, आम, आंवला, अमरुद, हल्दी,शहद
- गाजियाबाद में एक 'आलू अनुसंधान केन्द्र' बाबूगढ़ स्थापित किया गया है।
- आलू को 'ताज ब्राण्ड' नेम से बेचा जाता है
- राज्य में 2002-03 से लुप्तप्राय हो रही महत्वपूर्ण औषधीय फसलों को संरक्षित करने और उनकी खेती बढ़ाने के उद्देश्य से गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा, झांसी, हरदोई, महराजगंज, बलिया, गोण्डा आदि 18 जिलों में हर्बल गार्डेन योजना के तहत 'हर्बल गार्डेनों' की स्थापना की जा रही है।
- मेरठ तथा सहारनपुर मण्डल में निजी स्तर पर एलोवेरा, आंवला, अश्वगंधा, ब्राह्मी आदि की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है।
- शिवला (मेन्था) प्रदेश के बाराबंकी, बदायूँ, रामपुर, कन्नौज, जालौन, औरैया, इटावा, एटा आदि पश्चिमी जिलों में इसकी खेती की जाती है।
- 1981 में एक पान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र - महोबा
- महोबा के अलावा बरईमानपुर (बांदा) क्षेत्र और पाली क्षेत्र (ललितपुर) पान की खेती के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।
- बायोटेक पार्क की देखरेख में बक्शी तालाब (Lucknow) स्थित परिसर में जैट्रोफा क्लोनिंग गार्डेन परियोजना चलाई जा रही है।
- राज्य सरकार द्वारा 1944 में स्थापित 'पशुपालन विभाग'

उत्तर प्रदेश में पशुधन

Result Mitra

- उत्तर प्रदेश में पशुधन विभाग का गठन 1944 में हुआ था.
- उत्तर प्रदेश में पूरे देश का सर्वाधिक पशुधन है।
- 2019 की पशुधन गणना के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में मवेशियों की कुल संख्या करीब 1.90 करोड़ से ज़्यादा थी.
- इनमें 62,04,304 दुधारू गायें और 23,36,151 गैर-दुधारू गायें थीं
- 2019 की पशु गणना के अनुसार प्रदेश में 190.20 लाख गोवंश, 330.17 लाख महिषवंश, 9.85 लाख भेड़, 144.80 लाख बकरी एवं 4.09 लाख सूकर है।
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र के लिए भरारी (झांसी) में एक पशु चारा बैंक स्थापित है।
- गोपालन को बढ़ावा देने के लिए 1999 में उ० प्र० गोसेवा आयोग की स्थापना की गई थी।
- 2013 में राज्य सरकार ने कुक्कुट नीति
- से मत्स्य विभाग की स्थापना 1966 - उत्तर प्रदेश मत्स्य निगम की स्थापना की गयी
- मछुआ दुर्घटना बीमा योजना 1985-86 में शुरू की गयी, जिसमें मृत्यु होने पर 1 लाख और अपंग होने पर 50,000 का भुगतान किया जाता है।
- मत्स्य विकास के लिए मत्स्य नीति 2006-12 तैयार की गई है।
- 1976 में दुग्ध विकास विभाग तथा राज्य दुग्ध परिषद की स्थापना की गयी
- आपरेशन फ्लड के तहत 1973 में राज्य के तीन जिलों-वाराणसी, मेरठ और बलिया में आपरेशन फ्लड-1 शुरू किया गया।
- प्रदेश एवं देश में प्रथम दुग्ध संघ की स्थापना 1938 में लखनऊ में की गई थी।
- वर्तमान में प्रदेश के कुल 59 दुग्ध संघ कार्यरत हैं
- 2012-13 में प्रदेश के 55 जिलों में सघन मिनी डेरी परियोजना लागू की गई है।
- एकीकृत दुग्धशाला विकास परियोजना- में 1993- 94 में
- महिला डेरी योजना-वित्तीय वर्ष 1996-97 से दुग्ध विकास विभाग द्वारा लागू

Result Mitra

- राज्य दुग्ध परिषद-एक नियमित निकाय के रुप में इस परिषद की स्थापना 1976 में की गयी
- प्रादेशिक को-आपरेटिव डेरी फेडरेशन (PCDF)- प्रदेश में दुग्ध व दुग्धशाला के विकास हेतु 1962 में इसका गठन किया गया था।
- नयी कृषि नीति 2013- 28 फरवरी, 2013 को नई कृषि नीति को मंजूरी दी गई।
- कृषि निर्यात नीति - 2019
- कृषि निर्यात जोन-

इस समय प्रदेश में आम और आलू के निर्यात के लिए तीन जोन हैं-

(1) आगरा (आलू)- इस क्षेत्र में आगरा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, हाथरस, मेरठ आदि जिले सम्मिलित हैं।

(2) लखनऊ (आम)- इसमें लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई एवं उन्नाव जिले हैं। राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना-कृषि उत्पादन में शामिल जोखिमों से किसानों की रक्षा हेतु केन्द्र प्रायोजित

(3) सहारनपुर (आम)- इसमें सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, बिजनौर एवं बुलन्दशहर आदि जिले सम्मिलित हैं।

- कृषि Park – Hapur, Lucknow, Varanasi, Saharanpur
- किसान मित्र योजना - प्रदेश में किसानों को सभी तरह की जानकारियों उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक पंचायत में एक किसान मित्र (कृषि स्नातक/इण्टर) की नियुक्ति सम्बंधी यह योजना 18 जून, 2001* से शुरु की गयी। 2008 में इसे नया रूप दिया गया।
- किसान वृद्धावस्था पेन्शन योजना- प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना को 2 अक्टूबर, 2003* से शुरू किया गया। इसमें 60 वर्ष से ऊपर के किसानों को 500 रूपये मासिक पेन्शन देने की व्यवस्था है।
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना - किसानों को समय से कृषि कार्यों हेतु बैंकों से कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में यह योजना 1999-2000 से चलाई जा रही है।
- उ.प्र. बीज विकास निगम - 15 फरवरी, 2002 को कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत् पंजीकृत यह निगम 10 दिसम्बर, 2002 से अपना कार्य कर रहा है।
- खाद्य पार्क - खाद्य पार्क की स्थापना नोएडा में की गई है।
- उ.प्र. भूमि सुधार निगम- राज्य में भूमि सुधार हेतु इस निगम की स्थापना मार्च 1978 में की गई।

- किसान हित योजना - 2007-08
- ग्रामीण खाद्य बैंक- पूर्वांचल के (मिर्जा., सोन., चंदौली, गाजीपु., मऊ व बलिया) तथा बुन्देलखण्ड के सातों जनपदों में यह योजना 2007 से चल रही है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - 2007
- सहयोगी कृषक योजना - केन्द्र सरकार की यह योजना राज्य के 10 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 2012 में शुरू की गई है।
- किसान सेवा रथ- 2010-11
- एकीकृत धान्य विकास कार्यक्रम- 2010-11 (गेहूँ हेतु 33 जिलों में, चावल हेतु 45 जिलों में तथा मोटे अनाज हेतु 26 जिलों में यह योजना चलाई जा रही है।)
- मृदा स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रम- 2008-09
- सें 1964 में कृषि उत्पादन मण्डी अधिनियम, 1964 पारित किया गया।
- किसान बही योजना - 1992

Result Mitra

उत्तर प्रदेश : नदी तंत्र, झीले, सिंचाईं एवं भूगर्भ जल

Result Mitra

उद्गम् स्थलों के आधार पर प्रदेश की नदियों को तीन प्रकारों में विभाजित किया जाता है, जो निम्न प्रकार हैं-

(1) हिमालय के विभिन्न श्रेणियों से निकलने वाली सदानीरा नदियाँ- गंगा, यमुना, काली (शारदा), रामगंगा, गंडक, सरयू (घाघरा या करनाली), अरिज कोसी (रामगंगा की सहायक), रोहिणी, राप्ती आदि। इन नदियों में वर्ष भर जल बना रहता है।

(2) प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में स्थित झीलों एवं दलदलों से निकलने वाली नदियाँ- गोमती, वरूणा, सई, पाण्डो, ईसन आदि। इन नदियों में गर्मी में जल काफी कम हो जाता है, लेकिन सूखती नहीं।

(3) प्रदेश के दक्षिण में स्थित पठारों तथा विन्ध्य श्रेणियों से निकलने वाली नदियाँ- सोन, रिहन्द, टॉस, केन, चम्बल, बेतवा, कन्हार आदि। इन नदियों में ग्रीष्म ऋतु में प्रायः जल का अभाव हो जाता है और अधिकांशतः सूख भी जाती हैं।

गंगा- यह प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, अमरोहा, हापुड़, बुलन्दशहर, अलीगढ़, बदायूं, कासगंज, एटा, फर्रुखाबाद, शांहजहापुर, कन्नौज, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, कानपुर नगर, प्रतापगढ़, रायबरेली, फतेहपुर, कौशाम्बी, इलाहाबाद, भदोही, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया आदि राज्य के 28 जिलों में बहती हुई बिहार में प्रवेश कर जाती है।
प्रवेश - बिजनौर

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

यमुना-यह प्रदेश में इसका प्रवेश सहारनपुर के फैजाबाद नामक स्थान पर होता है। इसमें दाहिनी ओर से इटावा से 40 किमी. दूर औरैया के मुरादगंज जालौन के जगमनपुर के निकट सिन्ध, बांदा के (पंचनदा) के पास चम्बल, हमीरपुर के पास बेतवा, पैलानी व भोजहा के निकट केन आदि नदियाँ तथा बायीं ओर से नोएडा के पास हिन्डन नदी मिलती है। यह वृहत् चाप के आकार में प्रदेश के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, इटावा, जालौन, हमीरपुर, बाँदा, फतेहपुर और इलाहाबाद आदि 19 जिलों में बहती हुई प्रयाग (इलाहाबाद) में गंगा से मिल जाती है। इसकी लम्बाई 1,376 किमी है।

रामगंगा- यह पौढ़ी जिले के दूधातोली पर्वत के जलागम क्षेत्र से निकलती है। कालागढ़ किले (बिजनौर जिले में) के निकट मैदानों में उतरती है। मैदानी यात्रा के 24 किमी के उपरान्त कोह नदी इसमें मिलती है। यह नदी 690 किमी बहने के उपरान्त कन्नौज के निकट गंगा में मिल जाती है। मुरादाबाद, बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, फर्रुखाबाद, हरदोई आदि जिलों से गुजरती है। इस नदी पर सिंचाई के लिए कालागढ़ में एक बाँध बनाया गया है।

काली (शारदा)- काली नदी उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित कालापानी नामक स्थान से तथा गौरी गंगा मिलाम हिमनद से निकती है। दोनों जौलजीवी में मिलती है। टनकपुर के बाद इसे शारदा के नाम से जाना जाता है। ब्रह्मदेव के निकट यह मैदानी भाग में प्रवेश करती है। प्रदेश में यह सर्वप्रथम पीलीभीत जिले में प्रवेश करती है। सीतापुर के बासरा या बहरामघाट के निकट पहुँचकर यह करनाली (घाघरा नदी) से मिल जाती है।

घाघरा (करनाली) - घाघरा (करनाली) नदी का उद्गम तिब्बत के पठार पर स्थित मापचा चुंगों हिमनद से होता है। जोकि ताकलाकोट से लगभग 37 किमी उत्तर-पश्चिम की ओर स्थित है। यह नदी पर्वतीय प्रदेश में करनाली और मैदानी प्रदेश में घाघरा कहलाती है। मैदानी भाग में यह नदीं दो उपशाखाओं में विभाजित हो जाती है। इसकी पश्चिमी शाखा करनाली और पूर्वी शाखा को शिखा कहते हैं। आगे चलकर ये पुनः एक हो जाती है। शीशपानी नामक स्थान पर यह 180 मीटर चौड़ा और 600 मीटर गहरा खड्डा बनाती है। यह लखीमपुर व बहराइच की सीमा बनाते हुए राज्य में प्रवेश करती है। सीतापुर में बासरा के पास इसमें काली नदी मिलती है। आगे चलकर अयोध्या में यह सरयू कहलाती है। अयोध्या से आगे बढ़ने पर देवरिया बरहज के पास इसमें राप्ती नदी मिलती है। फिर यह उ.प्र. से बाहर निकल जाती है और छपरा के पास गंगा में मिल जाती है। इसकी कुल लम्बाई 1080 किमी है।

राप्ती-राप्ती नदी नेपाल के पिछले भाग की लघु हिमालय श्रेणी (धौलागिरि) के दक्षिण में रूकुमकोट के समीप से निकलती है। उत्तरी भाग में इसकी एक मुख्य शाखा बूढ़ी गंडक के नाम से जानी जाती हैं। इसकी मुख्य सहायक नदी रोहिणी है जो गोरखपुर में राप्ती के बायीं ओर से मिलती है। प्रदेश के बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर एवं गोरखपुर से बहती हुई देवरिया के बरहज नामक स्थान के समीप घाघरा नदी में मिल जाती है। इसकी कुल लम्बाई 640 किमी है।

गोमती-गोमती एक स्थलीय नदी है जिसका उद्गम स्थान पीलीभीत का दलदली क्षेत्र (फुल्हर झील) है। पीलीभीत से यह शाहजहाँपुर, खीरी, सीतापुर, लखनऊ, सुल्तानपुर एवं जौनपुर आदि जिलों में बहती हुई गाजीपुर के निकट कैथी नामक स्थान पर गंगा नदी में मिल जाती है। इसकी सहायक नदियों में सई प्रमुख है। इसकी लम्बाई 940 किमी. है।

गण्डक-यह नेपाल में 'सालीग्रामी' तथा मैदान में 'नारायणी' कहलाती है। गोल व चिकने सालीग्राम पत्थर बहाकर लाने के कारण इसे यह नाम दिया गया है। इसकी दो मुख्य सहायक नदियाँ-पश्चिम में काली व पूर्व में त्रिशूल गंगा है। शिवालिक श्रेणी को यह त्रिवेणी नामक स्थान पर पार करती है और नेपाल से निकलने के बाद प्रदेश के महराजगंज और कुशीनगर जिलों के सीमा पर बहते हुए पटना के निकट गंगा में मिल जाती है। इसकी लम्बाई 425 किमी. है।

चम्बल-चम्बल का उद्गम मध्य प्रदेश में इन्दौर के पास महू के निकट स्थित जनापाव पहाड़ी से हुआ है, औरय्या के मुरादगंज के पास इटावा से लगभग 40 किमी दूर यमुना में मिल जाती है।

बेतवा - इस नदी को संस्कृत में वेत्रवती कहा जाता है। यह मध्य प्रदेश में भोपाल के दक्षिण- पश्चिम से निकलकर भोपाल, ग्वालियर, ललितपुर, झांसी और जालौन से होती हुई हमीरपुर के निकट यमुना नदी में मिल जाती है।

केन-केन को संस्कृत में कर्णवती कहा जाता है। इसका उद्गम कैमूर पहाड़ियों का उत्तरी ढाल है। कैमूर पहाड़ियों से निकलकर यह बुन्देलखण्ड से गुजरती हुई बांदा में प्रवेश करती है और बांदा में ही भोजहा के निकट यमुना नदीं में मिल जाती है। इस नदी की कुल लम्बाई 308 किमी है।

नदियों के किनारे स्थित उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहर

नदी	शहर/नगर
गंगा	शेरपुर (बलिया), गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर(प्रयागराज), कलाकांकर (प्रतापगढ़), डालमऊ (रायबरेली), बक्सर (उन्नाव), काम्पिल्य (फर्रुखाबाद), कानपुर, बिठूर, फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद), बदायूँ, कन्नौज, अनूपशहर (बुलन्दशहर), गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़)
रामगंगा	बरेली, बदायूँ बदायूँ मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, बिजनौर और शाहजहांपुर
यमुना	प्रयागराज, कौशाम्बी, हमीरपुर, इटावा, काल्पी, बटेश्वर, आगरा, मथुरा, वृंदावन, बागपत
गोमती	अयोध्या, गोला, बड़हलगंज, बहराइच
राप्ती	गोरखपुर, बहराइच, बस्ती, गोंडा
केन	बांदा बेतवा हमीरपुर
सई नदी	प्रतापगढ़
सोन नदी	सोनभद्र
हिंडन	गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा

प्रदेश की प्रमुख झीलें/ताल/कुण्ड

झील	शहर
रामगढ़ताल और चिलुआताल	गोरखपुर
बखिरा झील	संत कबीर नगर
करेला और इटौजा झील	लखनऊ
नवाबगंज झील, कुंद्रा समुंद्रा	उन्नाव
बड़ाताल (गोखुर)	शाहजहांपुर
पयाग झील	बहराइच
पार्वती या अर्ग ताल	गोंडा
जिरगो और तिरसी झील, टांडा दारी ताल	मिर्जापुर
भूगेताल और विसैथाताल	राय बरेली
लिलूर झील	बरेली
थिथूरा झील, मोरिया ताल	फतेहपुर
बेती, अजगरा और नुईया झील	प्रतापगढ़

झील	शहर
सुरहा ताल	बलिया
गौर झील	रामपुर
शुक्रताल	मुज़फ़्फ़रनगर
रामताल	मेरठ
किमाथ ताल	आगरा
शेख झील	अलीगढ़
गोविंद बल्लभ पंत सागर	सोनभद्र
अलवारा झील	कोशाम्बी
औंधी ताल	वाराणसी
राजा का बांध, लौंधी और भोजपुर ताल	सुल्तानपुर
दरवान झील	फैजाबाद
बाल हापारा	कानपुर

Result Mitra

झील	शहर
लक्ष्मी ताल, बौआसागर और भस्नेह	झांसी
सागर ताल	बदायूं
मदन सागर	महोबा
पंगाइली फुलहर या गोमती ताल	पीलीभीत
दहर झील, भिजवान झील	हरदोई
देवरिया ताल	कन्नौज
भाखा झील	इटावा
सीता कुंड, चक्र कुंड	सीतापुर
भरतकुंड	अयोध्या
राधाकुंड, श्यामकुंड, गोविंदकुंड और मानसी गंगा कुंड	गोवर्धन, मथुरा
कोकिलाकुंड, कृष्णकुंड	कोकिला वन, मथुरा
नौ झील	मथुरा
मोती झील	कानपुर
चित्तौड़ा झील	बहराइच
बेला सागर	महोबा

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Result Mitra

NOTE –

- आगरा के कीठम रिजर्व फॉरेस्ट में **कीठम झील में साइबेरियन क्रेन** सहित **106 से अधिक प्रवासी पक्षी प्रजातियां** रहती हैं ।
- **गोविंद बल्लभ पंत सागर झील, उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील** , भारत में दूसरी सबसे बड़ी झील भी है।
- गोरखपुर के निकट **रामगढ़ ताल झील में प्रतिवर्ष** सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जल खेलों का आयोजन किया जाता है।
- आगरा के निकट **जयसमंद झील का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ** ने करवाया था ।
- **बरेली में मोती झील** मंदिरों से घिरे परिवेश के बीच **नौका विहार और मछली पकड़ने** के लिए प्रसिद्ध है ।
- **झांसी में बरुआ सागर ताल झील** एक मनोरम पिकनिक स्थल है।
- **इटावा में सरसई नवार झील** मानसून के दौरान **गुलाबी कमल के फूलों** से खिल उठती है ।
- **झांसी में रानी झील झील का ऐतिहासिक महत्व 1857 के भारतीय विद्रोह** से जुड़ा है ।
- रायबरेली स्थित **समसपुर पक्षी अभयारण्य झील अपनी विविध पक्षी आबादी के कारण पक्षी प्रेमियों को आकर्षित करती है।**
- **सीतापुर स्थित सिद्धौलिया झील** जलीय पौधों और मिट्टी से निर्मित अनोखे तैरते द्वीपों के लिए प्रसिद्ध है।

- कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्र में 18.9 प्रतिशत नहरों से, 71.5 प्रतिशत नलकूपों से, 8.6 प्रतिशत कुओं, तालाबों, झीलों, पोखरों तथा शेष अन्य साधनों से सिंचाई की जाती है।
- देश में इसका प्रयोग 1930 से **Mathura** शुरू हुआ।

प्रदेश की मुख्य नहरें

- **पूर्वी यमुना नहर-**यह राज्य की सबसे पुरानी नहर है। इसका निर्माण 1830 में किया गया था। यह फैजाबाद (सहारनपुर) नामक स्थान पर यमुना के बाएँ किनारे से निकाली गयी है
- **ऊपरी गंगा नहर-**इसका निर्माण 1840 से 1854 के बीच हुआ। इस नहर को हरिद्वार के समीप गंगा के दाहिने किनारे से निकाला गया है।
- **शारदा नहर-**यह प्रदेश की सबसे बड़ी नहर प्रणाली है जिसका निर्माण 1920 से 1928 के बीच हुआ। यह वनवासा (उत्तर प्रदेश नेपाल सीमा पर पीलीभीत) नामक स्थान पर शारदा (काली या महाकाली) नदी से निकली है।
- **सरयू नहर-** सरयू नहर परियोजना का उद्देश्य पूर्वांचल के बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोण्डा, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, गोरखपुर व महराजगंज जिलों में घाघरा, सरयू व राप्ती नदियों के जल से सिंचाई उपलब्ध कराना है। इस परियोजना के तहत बहराइच जिले की नानपारा तहसील में कतरकनिया घाट के निकट घाघरा नदी पर एक बैराज बनाया गया है
- **रानी लक्ष्मीबाई बाँध की नहर-** झाँसी, ललितपुर जिले में बेतवा नदी पर माता टीला स्थान पर निर्मित माता टीला बाँध से गुरसराय और मंदर नामक दो नहरें निकाली गई हैं जो ललितपुर, झांसी, हमीरपुर और जालौन जिलों की लगभग 2.64 लाख एकड़ भूमि सींचती हैं

- **ललितपुर बाँध की नहर-** इसमें ललितपुर जिले में शहजाद नदी पर एक बांध (ललितपुर बाँध) बनाया गया है, जिससे नहर निकाली गई है। इस नहर से झाँसी, ललितपुर, जालौन और हमीरपुर जिलों में सिंचाई की जाती है।
- **बेलन टाँस नहर-** इस योजना के अन्तर्गत बेलन नदी पर रीवा जिले (मध्य प्रदेश) में बरोधा बाँध और बेलन की सहायक मरूहर नदी पर एक जलाशय बनाया गया है।
- **चन्द्र प्रभा बाँध नहर-**इस योजना में वाराणसी के चकिया स्थान से दक्षिण में चन्द प्रभा नदी पर एक बाँध बनाया गया है, जिससे निकाली गई नहरों से चकिया और चंदौली तहसीलों की 24,000 एकड़ भूमि सींची जाती है।
- **अहरौरा बाँध की नहर-** वाराणसी जिले में गड़ई नदी पर अहरौरा नामक स्थान पर एक बाँध बनाया गया है। जिससे निकाली गई नहरें वाराणसी और मिर्जापुर जिले की सिंचाई व्यवस्था में सहायक हैं।
- **अर्जुन बाँध की नहर**- हमीरपुर जिले में चरखारी से दक्षिण में अर्जुन नदी पर अर्जुन बाँध बनाया गया है। इस बाँध से निकाली गयी नहरों से हमीरपुर के 26,700 एकड़ भूमि की सिंचाई होती है।
- **रगँवा बाँध नहर-**केन की सहायक वरर्ने नदी पर मध्य प्रदेश में रगँवा बाँध बनाया गया है। इससे निकाली गई नहर ने केन नहर को भी पानी मिलता है और बाँदा जिले में 93,000 एकड़ भूमि की सिंचाई की जाती है।
- **सपरार नहर**-यह नहर झाँसी के करोंदा गाँव के निकट सपरार नदी पर बने बाँध से निकाली गई है। इसके द्वारा झाँसी व हमीरपुर जिलों की लगभग 40 हजार एकड़ भूमि की सिंचाई होती है।
- **नगवाँ बाँध नहर-**यह नहर कर्मनाशा नदी पर नगाँ नामक स्थान पर बने बाँध से निकाली गई है जिससे मिर्जापुर व सोनभद्र जिलों के 60,000 एकड़ भूमि की सिंचाई की जाती है।
- **बेतवा नहर-**यह नहर बेतवा नदी से झाँसी के पारीक्षा नामक स्थान से निकाली गई है। इस नहर द्वारा झाँसी, जालौन, हमीरपुर जिलों की लगभग 83,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है।

- **राजघाट बाँध एवं नहर परियोजना-**ललितपुर जिले में बेतवा नदी पर राजघाट बाँध का निर्माण उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार के बराबर- बराबर सहयोग से किया गया। इससे उत्तर प्रदेश के ललिपुर झांसी जालौन एवं हमीरपुर जिलों में सिंचाई की जाती है।
- **हथनी कुण्ड बैराज (5 राज्यों का संयुक्त)-** सहारनपुर के पास यमुना नदी पर इस बैराज का निर्माण सन् 1872 में हुआ था, जिससे पूर्वी और पश्चिमी यमुना नहर को पानी मिलता था। 1978 में भयंकर बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद यमुना जल बटवारे को लेकर केन्द्र सरकार की मध्यस्थता में हरियाणा, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के बीच 12 मई, 1994 को एक समझौता हुआ और दिसम्बर 1994 में नयी हथनी कुण्ड बैराज की आधारशिला रखी गयी, जो 1999 में पूर्ण हो गयी। इसे नया ताजेवाला बैराज भी कहा जाता है।
- **बाण सागर बाँध एवं नहर प्रणाली-**तीन राज्यों की इस संयुक्त बाण सागर बाँध परियोजना का निर्माण शहडोल (म०प्र०) जिले में सोन नदी पर किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार (अब झारखण्ड) का योगदान 1:2:1 के अनुपात में है। इस परियोजना से सिंचाई, पेयजल तथा विद्युत उत्पादन की सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगीं। इससे प्रदेश के सोनभद्र, मिर्जापुर, चन्दौली, इलाहाबाद आदि जिलों को सिंचाई का लाभ मिलना है।
- **कनहार सिंचाई परियोजना-**सोनभद्र के दुद्धी तहसील में कनहार नदी पर 39.90 मी. ऊँचा बाँध एवं नहर बनाकर झारखण्ड व उ.प्र. में सिंचाई सुबिधा उपलब्ध कराया जाना है।
- **मौदहा बाँध परियोजना-**इस बाँध का निर्माण छानी ग्राम (हमीरपुर) के पास बिरमा नदी पर किया जा रहा है।
- **गुन्टा बाँध परियोजना-**इस बाँध एवं नहर का निर्माण रैपुरा ग्राम (चित्रकूट) के पास किया जा रहा है।
- **पथरई बाँध परियोजना-**यह परियोजना झांसी जनपद के बंगरा ब्लाक में पथरई नदी पर निर्माणाधीन है। इस परियोजना में एक बाँध और नहर बनाया जा रहा है।
- **कचंनौदा बाँध परियोजना-**इस परियोजना के अन्तर्गत ललितपुर जिले में सजनम नदी पर पूर्व निर्मित

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- **गंगा जल परियोजना (पेयजल)** - 50 क्यूसेक क्षमता के इस परियोजना का निर्माण दिल्ली-नोएडा बाईपास के समीप प्रताप विहार में किया जा रहा है। इस वाटर ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट से नोएडा एवं गाजियाबाद को अतिरिक्त पेयजल मिलेगा।
- **गोकुल बैराज परियोजना (पेयजल) -** आगराव मथुरा की पेयजल समस्या के निदान हेतु गोकुल बैराज परियोजना के अन्तर्गत गोकुल के समीप यमुना नदी पर बैराज बनाकर वर्षा ऋतु का पानी 5 मीटर गहराई में संचित किये जाने के लिए इस परियोजना का निर्माण किया जा रहा है।
- **लवकुश बैराज (पेयजल) -** कानपुर में गंगा पर बनने वाले इस बैराज का मुख्य उद्देश्य कानपुर नगर को पेयजल उपलब्ध कराना है। इस बैराज का निर्माण 400 करोड़ रूपए की डॉ. राम मनोहर लोहिया जल सम्पूर्ति परियोजना के तहत किया जा रहा है।
- **आगरा बैराज (पेयजल)-** यह बैराज आगरा में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ताजमहल से 8 किमी दूर यमुना पर बनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश : ऊर्जा संसाधन

- बाद राज्य में विद्युत ऊर्जा के तीव्र विकास हेतु अप्रैल 1959 में उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद का गठन किया गया।
- सन 2000 में उ.प्र. विद्युत सुधार अधिनियम 1999 लागू किया गया।

ताप विद्युत उत्पादन

- **हरदुआगंज ताप विद्युत गृह**-इस विद्युत गृह की स्थापना 1942 में अलीगढ़ के निकट को गई थी। इनमें 220 मेगावाट क्षमता की यूनिटें स्थापिड्ग की गई है। इस ताप गृह का पुनरोद्धार 1968 में रूस के सहयोग से किया गया था।
- **चन्दौसी ताप विद्युत केन्द्र**-मुरादाबाद के चन्दौसी में दो यूनिटे स्थापित की गयी है, जिसकी कुल क्षमता लगभग 100 मेगावाट है।
- **परीक्षा ताप परि०**-झांसी के निकट स्थित इस परि. की स्थापित क्षमता 640 में. वा. है। 500 मेगावाट की विस्तार परि. की प्रथम ईकाई 2012 में चालू की जा. चुकी है, दूसरी चालू होने वाली है

- **ओबरा ताप विद्युत केन्द्र**-इस ताप विद्युत गृह की स्थापना पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गई थी। इस संयंत्र की कुल स्थापित क्षमता 1382 मेगावाट है। सिंगरौली कोयला खान (सोनभद्र) इस संयंत्र के निकट है।
- **अनपरा 'ए' ताप विद्युत केन्द्र**-सोनभद्र स्थित इस ताप विद्युत केन्द्र की स्थापित क्षमता डेढ़ हजार से अधिक मेगावाट है। यहीं पर अनपरा 'बी' ताप विद्युत केन्द्र भी है।
- **पनकी विस्तार ताप परि०-** कानपुर के पास स्थित इस परि. की स्थापित क्षमता 210 मे.वा. है। विस्तार परियोजना के तहत 660 मेगावाट क्षमता की ईकाई स्थापित की जा रही है।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के केन्द्र

प्रदेश में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) की 7 उत्पादन इकाईयां हैं, जिनमें 3 (औरैया, आंवला और दादरी) संयंत्र गैस आधारित और शेष कोयले पर आधारित हैं।

1. दादरी ताप विद्युत परियोजना (गौतमबुद्धनगर)
2. आंवला ताप वि. परि. (बरेली)
3. ऊँचाहार ताप विद्युत परियोजना (रायबरेली)
4. टांडा ताप विद्युत केन्द्र (अम्बेडकर नगर)
5. सिंगरौली सुपर ताप विस्तार परियोजना (सोनभद्र)
6. औरैया ताप विद्युत केन्द्र (औरेया)
7. रिहन्द ताप विद्युत केन्द्र (सोनभद्र

जल विद्युत उत्पादन

Result Mitra

- **रिहन्द जल विद्युत परियोजना-**इस परियोजना में प्रदेश के सोनभद्र जिले के पिपरी नामक स्थान पर रिहन्द नदी पर एक बांध बनाया गया है जिसमें 50-50 मेगावाट विद्युत क्षमता वाली 6 इकाइयों लगाई गई हैं। इस केन्द्र से पूर्वी उत्तर प्रदेश के लगभग 20 जिलों को विद्युत उपलब्ध करायी जाती है।
- **ओबरा जल विद्युत केन्द्र-**रिहन्द बांध से लगभग 25 किमी. उत्तर में ओबरा (सोनभद्र) नामक स्थान पर रिहन्द नदी पर एक दूसरा बाँध बनाया गया है जिसे ओबरा बाँध कहते हैं। इस विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता 99 मेगावाट है।
- **माताटीला विद्युत गृह-**यह बाँध झांसी के निकट बेतवा नदी पर बनाया गया है। मध्य प्रदेश के सहयोग से निर्मित किये गये इस विद्युत गृह की विद्युत उत्पादन क्षमता 30 मेगावाट हैं। यहां से उ.प्र., म.प्र. के निकटवर्ती जिलों में विद्युत की आपूर्ति होती है।
- **शीतला जल विद्युत परियोजना**-निगम द्वारा 3.6 मेगावाट के इस परियोजना का निर्माण झांसी में किया गया है।
- **खारा जल विद्युत केन्द्र (यमुना पर)-** 72 मेगावाट क्षमता।
- **पारीक्षा जल विद्युत केन्द्र**-झांसी के पास 2×110 मेगावाट क्षमता की यह परियोजना बेतवा नदी पर

निजी क्षेत्र

- रोजा ताप विद्युत परियोजना- 4×300 MW- रिलायंस ग्रुप - कोयले आधारित
- विष्णु प्रयाग जल विद्युत परियोजना- 400 MW - मे. जय प्रकाश पावर येंचर्स लि. नामक कम्पनी - चमोली (उत्तराखण्ड) जनपद के विष्णु प्रयाग नामक स्थान, अलकनन्दा नदी पर
- श्रीनगर जल विद्युत परियोजना - 330 MW - मेसर्स अलकन्दा हाइड्रो पावर कम्पनी नामक निजी कम्पनी द्वारा उत्तराखण्ड के श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल) नामक स्थान पर स्थापित
- अनपरा 'सी' विद्युत परियोजना- 1200 MW - लेंको कोंडापल्ली लि० - कोयले आधारित
- बारा ताप विद्युतगृह- 1980 MW - विद्युतगृह-इलाहाबाद के बारा तहसील में जे पी समूह द्वारा स्थापित - TATA ग्रुप ने अधिग्रहित

NOTE -

- बुलन्दशहर जिले के नरौरा नामक स्थान पर गंगा के निकट स्वदेशी डिजाइन, उन्नत दबावयुक्त तथा भारी जल आधारित 220-220 मेगावाट क्षमता वाले दो रियेक्टर कार्यरत हैं। इन दोनों में प्रथम को 1991 में और द्वितीय को 1992 में चालू किया गया था।

- 1981 में ऊर्जा के - अतिरिक्त साधनों का आयोग
- 1982 में - गैर-परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत विभाग
- 1987 में विश्व बैंक की सहायता से - भारतीय नव्यकरणीय ऊर्जा विकास एजेन्सी की स्थापना की गयी
- 1983 में - वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान
- कूड़े-कचरे पर आधारित विद्युत उत्पादन परियोजना- लखनऊ के अतिरिक्त कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा तथा इलाहाबाद में भी इस परियोजना की स्थापना का प्रस्ताव है।
- पवन ऊर्जा - SHAHJAHANPUR, LAKHIMPUR KHIRI, GONDA, BALRAMPUR, SIDHARTHNAGAR
- ऊर्जा पार्क- वैकल्पिक ऊर्जा लिए लखनऊ के चिड़ियाघर में एक राज्य स्तरीय ऊर्जा पार्क की स्थापना की गयी है।

सौर ऊर्जा नीति 2017 के उद्देश्य

- राज्य में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन की परियोजनाओं की स्थापना के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और निवेश के अवसर प्रदान करना।
- सभी को पर्यावरण के अनुकूल एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराने हेतु सहायता प्रदान करना।
- राज्य में शोध एवं विकास, नवोन्मेष एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना।
- 8 प्रतिशत के "Solar Renewable Purchase Obligation यानी नवीकरणीय सौर ऊर्जा की खरीद को सुनिश्चित करने" के लक्ष्यों को वर्ष 2022 तक प्राप्त करना।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति - 2022

- गैर जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से 50 प्रतिशत संचित विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2030 तक स्थापित करने हेतु भारत सरकार वचनबद्ध है
- राज्य में 2026-27 तक 22000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं का निम्नानुसार लक्ष्य प्राप्त करना है

उत्तर प्रदेश : खनिज

- 1955 में - भू-तत्व एवं खनिज कर्म निदेशालय की स्थापना
- 1974 में - उत्तर प्रदेश राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना
- **उत्तर प्रदेश खनन नीति, 2017**
- देश के कुल खनिज उत्पादन का 3% यहां मिलता है। प्रदेश में 12 जनपद को 'खनिज बहुल जनपद' घोषित किया गया है।
- इस नीति में प्रदेश के 12 जिलों को खनिज बहुल क्षेत्र घोषित किया गया, जो इस प्रकार हैं- PRAYAGRAJ, MIRZAPUR, CHANDAULI, SONBHADRA, CHITRAKOOT, BANDA, MAHOBA, HAMIRPUR, LALITPUR, JHANSI, JALAUN, SAHARANPUR

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

क्रम संख्या	खनिज का नाम	जिलों का नाम
1.	हीरा	बाँदा, मिर्जापुर
2.	सोना	शारदा और रामगंगा की रेट में, परसोई क्षेत्र (सोनभद्र),बेरवार (ललितपुर)
3.	यूरेनियम	ललितपुर
4.	चूना पत्थर	गुरुमा-कनाच-बासुहारी (मिर्जापुर), कजराहत (सोनभद्र)
5.	बाक्साइट	बाँदा, वाराणसी,ललितपुर
6.	पोटाश लवण	इलाहाबाद, चंदौली, बांदा, झाँसी, सोनभद्र
7.	डोलोमाइट	बारी (सोनभद्र), बांदा
8.	कांच बालू	शंकरगढ़,लोहरगढ़ (इलाहाबाद) ,बरगढ़ (बांदा),अलीगढ़, चित्रकूट
9.	पोटाश लवण	इलाहाबाद, चंदौली, बांदा, झाँसी, सोनभद्र
10.	एंडालुसाइट	सोनभद्र, मिर्जापुर
11.	सेलखडी (लिखने की खड़िया)	हमीरपुर, झाँसी
12.	पाइराइट्स	सोनभद्र
13.	रॉक फास्फेट	ललितपुर

Result Mitra

क्रम संख्या	खनिज का नाम	जिलों का नाम
14.	गेरू	बांदा
15.	सिल्लीमेनाइट	सोनभद्र
16.	चाइना क्ले	बाँदा, सोनभद्र
17.	कैल्साइट	मिर्जापुर
18.	लौह अयस्क	ललितपुर
19.	ग्रेनाइट	बांदा, हमीरपुर, ललितपुर, महोबा
20.	डायस्पोर	झाँसी, महोबा, ललितपुर, हमीरपुर
21.	सैंड स्टोन	मिर्जापुर
22.	जिप्सम	झाँसी, हमीरपुर
23.	एस्बेस्टस	मिर्जापुर, झाँसी
24.	संगमरमर	मिर्जापुर, सोनभद्र
25.	फेल्सपार	झाँसी

Result Mitra

उत्तर प्रदेश में वन्य जीव // वन संपदा

Result Mitra

वन्य जीव विहार

1. चन्द्रप्रभा वन्य जीव विहार, चंदौली - 1957
2. किशनपुर वन्य जीव विहार, लखीमपुर खीरी -1972
3. कतरनियाघाट वन्य जीव विहार, बहराइच -1976
4. रानीपुर व. जीव विहार, चित्रकूट -1977
5. महावीर स्वामी वन्य जीव विहार, ललितपुर -1977
6. राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव विहार, आगरा, इटावा, औरैया -1979
7. कैमूर वन्य जीव विहार, मिर्जापुर, सोनभद्र - 1982
8. हस्तिनापुर वन्य जीव विहार, मेरठ, मुजफ्फरनगर, , बिजनौर, अमरोहा एवं हापुड़- 1986
9. सोहागी बरवा वन्य जीव विहार, महराजगंज - 1987
10. सुहेलया वन्य जीव विहार, श्रावस्ती, बलरामपुर - 1988
11. कछुआ वन्य जीव विहार, वाराणसी - 1987
12. पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (देश का 45वाँ) पीलीभीत, शाहजहांपुर (नवीनतम) - 2104

NOTE -

- ❑ उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य है
- ❑ उत्तर प्रदेश का सबसे छोटा वन्यजीव अभयारण्य महावीर स्वामी वन्यजीव अभयारण्य है
- ❑ उत्तर प्रदेश का पहला वन्यजीव अभयारण्य चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य है

पक्षी विहार

पक्षी विहार	ज़िला
नवाबगंज पक्षी विहार	उन्नाव (सबसे पुराना, 1984)
बखीरा पक्षी विहार	बस्ती/संत कबीर नगर
समन पक्षी विहाररर	मैनपुरी
पार्वती अरंगा पक्षी विहार	गोंडा (जय प्रकाश नगर)
विजय सागर पक्षी विहार	महोबा, हमीरपुर
पटना पक्षी विहार	एटा (सबसे छोटा, 1 वर्ग किमी.)
सुरहाताल (लोकनायक जय प्रकाश नारायण) पक्षी विहार	बलिया
लाख बहोशी पक्षी विहार	कन्नौज (सबसे बड़ा, 80 वर्ग किमी.)
भीमराव अम्बेडकर पक्षी विहार	प्रतापगढ़ (कुण्डा)
सांडी पक्षी विहार	हरदोई
समसपुर पक्षी विहार	रायबरेली
सूर सरोवर पक्षी विहार	आगरा
ओखला पक्षी विहार	गाज़ियाबाद व गौतमबुद्ध नगर

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

- दुधवा की स्थापना 1958 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में की गई थी और 1977 में यह राष्ट्रीय उद्यान बन गया।
- दुधवा को 1988 में दुधवा टाइगर रिजर्व के रूप में भी मान्यता दी गई थी।
- उत्तर प्रदेश के भीतर केवल 1 राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।

टाइगर अभयारण्य

1. **Dudhwa National Park, Tiger Reserve – LAKHIMPUR KHIRI –1987**
2. **Amangarh Tiger Reserve (buffer of Jim Corbett Tiger Reserve) - BIJNAUR - 2012**
3. **Pilibhit Tiger Reserve - 2014**
4. **Ranipur Tiger Reserve, Wildlife Sanctuary –CHITRAKOOT - 2022** 53th Tiger Reserve in India.

उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख चिड़ियाघर हैं

1. नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान, लखनऊ - 1921
2. कानपुर जूलॉजिकल पार्क - 1974
3. शहीद अशफ़ाक उल्लाह खान जूलॉजिकल पार्क, गोरखपुर - 2021
4. सारनाथ डियर पार्क - वाराणसी

Result Mitra

NOTE -

- ❑ गंगा डॉल्फिन (सुइस या सुसु) को राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया गया है। इलाहाबाद से मिर्जापुर तक गंगा में ये अधिक संख्या में मिलते हैं
- ❑ काले हिरण हेतु राज्य में दो (अलीगढ़ के गभाना क्षेत्र व इलाहाबाद के मेजा-कोरांव क्षेत्र) गैर वन क्षेत्रीय संरक्षण केन्द्र हैं।

उत्तर प्रदेश में वन संपदा

<u>उत्तर प्रदेश वन सर्वेक्षण रिपोर्ट (SFR) 2021 (17वीं नंबर की रिपोर्ट, आंकड़े 2019-21)</u>

- उत्तर प्रदेश में कुल वन और वृक्षावरण = 22238.89 km^2 (उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल का 9.23%)
- उत्तर प्रदेश में वनावरण = 14817.89 km^2 (उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल का 6.15%) और 12.24 km^2 (प्रतिशत के हिसाब से 0.08%) वनावरण बढ़ोत्तरी हुई है (2019 से)
- सबसे अधिक वनावरण सोनभद्र में है (कुल और प्रतिशत दोनों के हिसाब से)
- सबसे कम वनावरण भदोही में है (कुल और प्रतिशत दोनों के हिसाब से)
- वनावरण में सबसे अधिक वृद्धि = सहारनपुर में हुई ।
- वनावरण में सबसे अधिक कमी = सोनभद्र में हुई।
- सबसे अधिक अति सघन वन = खीरी में, सबसे अधिक खुले वन/मध्यम सघन वन = सोनभद्र में है।
- सबसे ज्यादा झाड़ी आगरा में है।
- ISFR 2021 के हिसाब से, उत्तर प्रदेश में वन - (खुले वन> मध्यम सघन वन अति सघन वन)
- उत्तर प्रदेश में वन के प्रकार = 29 (चैंपियन और सेठ वर्गीकरण), सबसे अधिक उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन
- उत्तर प्रदेश के कुल वन क्षेत्र का लगभग 32.92% वन क्षेत्र में जंगल की आग का शिकार होने के लिए प्रवण आंका गया है। इसमें से लगभग 14.1% क्षेत्र अत्यधिक प्रवण है, 7.04% बहुत अधिक प्रवण है और 10.5% अधिक प्रवण है।
- उत्तर प्रदेश में वृक्षावरण 7421 किमी (उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल का 3.08%) और (2019 से 79 किमी. की वृद्धि !
- ISFR 2021 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पहाड़ी जिलों की संख्या शून्य है और आदिवासी जिलों की संख्या 1

Result Mitra

- रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया के अलावा बाह्य क्षेत्र लगभग 5675 वर्ग किमी आंका गया है।
- उत्तर प्रदेश में TOF (वनों के क्षेत्र से बाहर के वृक्षों) का विस्तार 13096 वर्ग किमी आंका गया है।.
- उत्तर प्रदेश में वनों का कुल कार्बन स्टॉक जिसमें TOF (जंगलों के क्षेत्र से बाहर के वृक्षों) भाग शामिल हैं, जिनका आकार 1 हेक्टेयर से अधिक 117.24 मिलियन टन (CO_2 का 429.88 मिलियन टन, समतुल्य) जो देश के कुल वन कार्बन का 1.63% है। उत्तर प्रदेश में कुल हिस्से के विभाजन के अनुसार वन कार्बन इस प्रकार है - मृदा में मौजूद ऑर्गेनिक कॉर्बन > भूमि के ऊपर का कुल जैव भार > भूमि के नीचे का कुल जैव भार > कूड़ा-करकट मृत काष्ठ
- आरएफए/ग्रीन वाश के अंतर्गत बांस आच्छादित क्षेत्र 1832 Km^2 (भारत के बांस के बढ़ते हुए स्टॉक का लगभग 1.23%) है और डेंठलों की कुल संख्या 31 मिलियन है (भारत के बांस के बढ़ते हुए स्टॉक का लगभग 0.58% है)
- उत्तर प्रदेश में प्रमुख गैर-वन उत्पाद प्रजातियां हैं - ऑसीमम बेसिलिकम हर्ब्स, दस्मोस्ताच्य हर्ब्स, वेट्टवेरिया ज़िज़ानोइड्स हर्ब्स, हेलिटेरस आइसोरा झाड़ी और अधाटोडा वासिका झाड़ी।
- उत्तर प्रदेश में आरएफए/ग्रीन वाश (वर्ग किमी में) के अंदर राज्य में प्रमुख आक्रामक प्रजातियां हैं - लैंटाना कैमरा, कैसिया टोरा, सैकरम स्पोंटेनम, डायोस्कोरिया पेंटाफिला और इचनोकार्पस फ्रूटसेन्स
- उत्तर प्रदेश में टीओएफ (ग्रामीण) में शीर्ष पांच वृक्ष प्रजातियां हैं - मैंगिफेरा इंडिका, यूकिलेप्टिस, पॉपुलस, अज़ादिराछा इंडिका और डाल्बर्गिया सिसो।
- उत्तर प्रदेश में टीओएफ (शहरी) शीर्ष पांच वृक्ष प्रजातियां हैं - अज़ादिराछा इंडिका, मैंगिफेरी इंडिका, यूकिलेप्टिस, टेक्टोना ग्रैंडिस और प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा ।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

वनावरण (उत्तर प्रदेश)

शीर्ष 5 जिले (कुल क्षेत्रफल में)	**शीर्ष 5 जिले (% में)**	**शीर्ष 5 जिले (वनावरण में वृद्धि)**	**शीर्ष 5 जिले (झाड़ियों में)**
सोनभद्र (सर्वाधिक) (2436.75 sq km)	सोनभद्र (सर्वाधिक) (35.29%)	सहारनपुर (सर्वाधिक वृद्धि) (49.92 sq km)	आगरा (75.14 sq km)
खीरी (1272.36 sq km)	चंदौली (21.78 %)	चित्रकूट (45.29 sq km)	महोबा (62.00 sq km)
मिर्जापुर (711.46 sq km)	चित्रकूट (19.64%)	प्रयागराज (27.06 sq km)	मिर्जापुर (51.14 sq km)
पीलीभीत (685.73sq km)	पीलीभीत (18.60%)	बाराबंकी (16.36 sq km)	इटावा (45.05 sq km)
चित्रकूट (631.69 sq km)	श्रावस्ती (17.40%)	बलराम (11.40 sq km)	झांसी (41.96 sq km)
निम्न 5 जिले (कुल क्षेत्रफल में)	**निम्न 5 जिले (% में)**	**निम्न 5 जिले (वनावरण में कमी)**	**निम्न 3 जिले झाड़ियों में (21 जिलों में झाड़ी नहीं है)**
भदोही (सबसे कम) (3.71 sq km)	भदोही (सबसे कम) (0.37%)	सोनभद्र (सर्वाधिक कमी) (-103.54 sq km)	सुल्तानपुर (0.02sq km)
मऊ (11.00 sq km)	मैनपुरी (0.49%)	मिर्जापुर (-57.62 sq km)	बस्ती (0.03sq km)
मैनपुरी (13.64 sq km)	देवरिया (0.60%)	चंदौली (-11.78 sq km)	अंबेडकर नगर (0.08sq km)
संत कबीर नगर (14.40 sq km)	बदायूं (0.62 %)	बिजनौर (-4.71 sq km)	
देवरिया (15.21 sq km)	मऊ (0.64%)	सुल्तानपुर	

Result Mitra

		(-1.90 sq km)	
अति सघन वन (सबसे कम बस्ती में (1.00 sq km); 51 जिलों में VDF नहीं है।	**मध्यम सघन वन (सबसे कम संत कबीर नगर में); (0.86 sq (km) 4 जिलों में MDF नहीं है।**	**खुले वन (सबसे कम भदोही में) (3.71sq km)**	
खीरी (सर्वाधिक) (804.91 sq km)	सोनभद्र (सर्वाधिक) (940.62 sq km)	सोनभद्र (सर्वाधिक) (1357.81 sq km)	
पीलीभीत (471.00 sq km)	चित्रकूट (319.19 sq km)	मिर्जापुर (455.87sq km)	
बलरामपुर (278.00 sq km)	मिर्जापुर (281.04sq km)	ललितपुर (452.40 sq km)	
महाराजगंज (261.09sq km)	बिजनौर (216.63 sq km)	चंदौली (361.60 sq km)	
बहराइच (240.00 sq km)	चंदौली (183.97 sq km)	सहारनपुर (319.18 sq km)	

उत्तर प्रदेश में वनावरण = खुले वन > मध्यम घने वन > अति घने वन

वर्ग	क्षेत्रफल (किमी में)	भौगोलिक क्षेत्रफल का %
अति सघन वन	2,626.61	1.09
मध्यम सघन वन	4,029.37	1.67
खुले वन	8,161.91	3.39
कुल	14,817.89	6.15
झाड़ी	563.38	0.23

उत्तर प्रदेश : परिवहन तंत्र

सड़क-परिवहन

- 15 मई, 1947 - 'उत्तर प्रदेश राजकीय रोडवेज' नामक संगठन का गठन किया
- 1 जून, 1972 को उत्तर प्रदेश रोडवेज की जगह 'उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम' का गठन किया गया।
- महाराष्ट्र में 17,757 किमी (13.4%) के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों का सबसे बड़ा नेटवर्क है, इसके बाद **उत्तर प्रदेश** और राजस्थान क्रमशः **11,737 किमी (8.9%)** और 10,342 किमी (7.8%) हैं।
- उत्तर प्रदेश से गुजरने वाला **सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 (NH19)** है, इसका पुराना नाम NH2 है। यह दिल्ली से कोलकाता तक है।
- उत्तर प्रदेश से होकर कुल 60 राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं।
- 20 क्षेत्रों के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 106 डिपो है
- **जनरथ सेवा** निगम द्वारा राजधानी लखनऊ से राज्य के कई जिला मुख्यालयों तक कम किराए वाली वातानुकूलित जनरथ बसों का संचालन किया जा रहा है।
- **महानगरीय बस सेवा**-प्रदेश के 7 (लखनऊ, आगरा, इलाहाबाद, वाराणसी, कानपुर, मेरठ और गाजियाबाद) बड़े नगरों तथा पर्यटन नगर मथुरा व औद्योगिक नगर गौ.बु.न. में **नगरीय बस सेवा** का संचालन किया जा रहा है।
- उत्तर-दक्षिण (NH-44) एवं पूर्व-पश्चिम गलियारा (NH-23) के 6 लेन की सड़कें प्रदेश के झांसी जिले में एक दूसरे को काटती हैं
- उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPEIDA) का गठन - 2007

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Result Mitra

❑ नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे (Noida-Greater Noida Expressway) - 2002-03

- एक्सप्रेसवे की लंबाई ➢ 24.53KM
- लेन संख्या ➢ 6

❑ यमुना एक्सप्रेसवे (Yamuna Expressway) - 2012 NOIDA-ALIGARH-MATHURA-AGRA

- यमुना एक्सप्रेसवे की लंबाई ➢ 165.5 KM
- यमुना एक्सप्रेस वे -लेन संख्या ➢ 6

❑ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे (Agra-Lucknow Expressway)

- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की लंबाई ➢ 302 KM
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे- लेन संख्या ➢ 6

- Agra
- Firozabad
- Etawah
- Mainpuri
- Auraiya
- Kannauj
- Kanpur Nagar
- Unnao
- Hardoi
- Lucknow

❑ Bangarmau Emergency Airstrip (Unnao district)

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (Purvanchal Expressway)

- यह एक्सप्रेसवे यूपी के 9 जिलों को कवर करता है
- इन जिलों में गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकर नगर, अयोध्या, सुलतानपुर, अमेठी, बाराबंकी और लखनऊ शामिल हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे	380. 82 KM
पूर्वांचल एक्सप्रेसवेलेन - लेन संख्या	6

गोरखपुर एक्सप्रेसवे (Gorakhpur Expressway)

- यह लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर, संत कबीर नगर, अंबेडकर नगर और आजमगढ़ से होकर गुजरेगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे	91 KM
गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे- लेन संख्या	4

गंगा एक्सप्रेसवे (Ganga Expressway)

- गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ के बाद ये हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ से होता हुआ प्रयागराज तक जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे	594 KM
गंगा एक्सप्रेसवे -लेन संख्या	6

Result Mitra

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (Bundelkhand Expressway)

- यह बुंदेलखंड के सात जिले चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, औरैया और इटावा से होकर गुजरता है।
- इसे भारत के पहले सोलर एक्सप्रेसवे के तौर पर विकसित किया जाएगा।

- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे
- 296.7 KM
- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवेलेन - लेन संख्या
- 4 आगे 6 लेन किया जा सकेगा

रेल परिवहन | Rail Transport

- उत्तर प्रदेश में रेलवे की कुल लंबाई 16,001 किमी है, जो देश में सबसे अधिक है।
- लखनऊ मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का गठन - 2013
- लखनऊ मेट्रो ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया - 5 सितंबर 2017 को
- रेलवे सुरक्षा आयोग, मुख्यालय - लखनऊ
- राज्य में पहली ट्रेन मार्च 1859 में इलाहाबाद और कानपुर के बीच चलाई गई थी।
- उत्तर-पूर्वी रेलवे का मुख्यालय गोरखपुर में है।
- 2003 में, इलाहाबाद को उत्तर मध्य रेलवे (NCR) का मुख्यालय बनाया गया था।
- **उत्तर प्रदेश में कुल 9 रेलवे मंडल हैं।**
- **डीजल इंजन** बनाने का कारखाना **मंडुआडीह (वाराणसी)** में है।
- मुगलसराय में एशिया का सबसे बड़ा विद्युत लोकोमोटिव शेड भी है।
- भारत का **सबसे लंबा रेलवे यार्ड मुगलसराय** में स्थित है।
- रेलवे का **यात्री डिब्बा निर्माण कारखाना लालगंज (रायबरेली)** में स्थापित है।
- **दुनिया का दूसरा सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म गोरखपुर में स्थित है। पहला कर्नाटक का श्री सिद्धारूढ़ स्वामीजी हुबली स्टेशन का प्लेटफोर्म (1507मीटर) है।**

Result Mitra

- प्रदेश में प्रथम रेलगाड़ी, मार्च 1859 में इलाहाबाद से कानपुर तक चलायी गयी।
- इन 16 रेल जोनों में से 5 रेल जोनों की लाइने प्रदेश से गुजरती है, जो इस प्रकार हैं-
  1. उत्तर रेल, 2. मध्य रेल, 3. पश्चिम रेल, 4. पूर्वोत्तर रेल 5. उत्तर मध्य रेल
- 5 रेल जोनों में से दो के मुख्यालय उत्तर प्रदेश में हैं- 1. पूर्वोत्तर रेल (NER) का मुख्यालय - गोरखपुर
  2. उत्तर मध्य रेल (NSR) का मुख्यालय - इलाहाबाद
- 9 रेल मण्डल हैं, जो इस प्रकार हैं-

(1) उत्तर रेलवे के मुरादाबाद तथा लखनऊ मण्डल,
(2) पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर (बरेली), लखनऊ तथा वाराणसी मण्डल
(3) पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, मुगलसराय मण्डल तथा
(4) उत्तर मध्य रेलवे के इलाहाबाद, आगरा तथा झांसी मण्डल। इन मण्डलों में सबसे छोटा मण्डल पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन मुगलसराय है, जो देश का भी सबसे छोटा रेल मण्डल है।

- भारत की सबसे अधिक लम्बी रेलगाड़ी प्रयागराज एक्सप्रेस है जिसमें 26 कोच लगे होते हैं तथा यह नई दिल्ली से इलाहाबाद के लिए प्रतिदिन चलती है।
- भारतीय रेलवे का सबसे लम्बा रेलवे यार्ड मुगलसराय में हैं।
- गोरखपुर में एक रेल कोच रिपेयर कारखाना है।
- देश के तीसरे रेल कोच कारखाने की स्थापना लालगंज (रायबरेली) में की गई है
- केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन-इलाहाबाद की स्थापना 1985 में की गयी।
- राज्य में रेलवे में भर्ती हेतु दो भर्ती बोर्ड, इलाहाबाद और गोरखपुर में है।
- राज्य में एक रेलवे संग्रहालय वाराणसी में हैं।
- राज्य के गाजियाबाद में एक बिजली ड्राइवर प्रशिक्षण केन्द्र है।

वायु परिवहन

- उत्तर प्रदेश में नागरिक उड्डयन प्रशिक्षण केंद्र **बमरौली (इलाहाबाद)** में स्थित है।
- उत्तर प्रदेश के **गोरखपुर** में सामरिक महत्व का वायु सेना का हवाई अड्डा है।
- **नेशनल पैराशूट ट्रेनिंग कॉलेज आगरा** में है।
- **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड्डयन अकादमी** फुर्सतगंज रायबरेली में है।
- सोनभद्र जिले में **आदित्य बिड़ला समूह** द्वारा एक **निजी हवाई अड्डा** बनाया गया है।
- झांसी हवाई अड्डा भारतीय सेना का हवाई अड्डा है।
- भारतीय वायु सेना का हवाई अड्डा बख्शी का तालाब (लखनऊ) में स्थित है।
- कुशीनगर एयरपोर्ट प्रस्तावित है।
- भारत में पहली हवाई डाक सेवा 18 फरवरी, 1911 को इलाहाबाद और नैनी के बीच शुरू हुई थी।

यूपी सूची में हवाई अड्डा - अंतर्राष्ट्रीय				
अयोध्या	Maharishi Valmiki International Airport	अंतरराष्ट्रीय		
कुशीनगर	कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अंतरराष्ट्रीय		
लखनऊ	चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अंतरराष्ट्रीय		
नोएडा	नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अंतरराष्ट्रीय		
वाराणसी	लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अंतरराष्ट्रीय		

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Name of the Airport & Location	Type
Kushinagar International Airport, Kushinagar	International Airport
Chaudhary Charan Singh International Airport (Lucknow Airport), Lucknow	International Airport
Lal Bahadur Shastri International Airport (Varanasi Airport), Varanasi	International Airport
Prayagraj Airport, Allahabad (Bamrauli Airport)	Domestic Airport
Kanpur Airport, Kanpur	Domestic Airport
Gorakhpur Airport, Gorakhpur	Domestic Airport
Hindon Airport, Ghaziabad	Civil Enclave
Bareilly Airport, Izzatagar	Civil Enclave
Agra Airport (Kheria Airport), Agra	Civil Enclave
Noida International Airport, Noida	Upcoming International Airport

Result Mitra

Muirpur Airport, Muirpur	Upcoming Domestic Airport
Shravasti Airport, Shravasti	Upcoming Domestic Airport
Sarsawa Airport, Saraswa	Upcoming Civil Enclave
Moradabad Airport, Moradabad	Upcoming Domestic Airport
Lalitpur Airport, Lalitpur	Upcoming Domestic Airport
Chitrakoot Airport, Chitrakoot	Upcoming Domestic Airport
Azamgarh Airport, Azamgarh	Upcoming Domestic Airport
Aligarh Airport, Aligarh	Upcoming Domestic Airport

Result Mitra

➢ सेवाकृत क्षेत्र	हवाई अड्डे का नाम	हवाई अड्डे का प्रकार
➢ अंबेडकर नगर	अकबरपुर हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ अयोध्या	महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अंतरराष्ट्रीय
➢ इटावा	सैफई हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ कानपुर देहात	मरहमताबाद हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ गाजियाबाद	हिंडन हवाई अड्डा	घरेलू (सीई)
➢ गाजीपुर	अंधाऊ हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ झांसी	दतिया हवाई अड्डा (मध्यप्रदेश)	घरेलू
➢ फर्रुखाबाद	मोहम्मदाबाद हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ मेरठ	डॉ. भीमराव अंबेडकर हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ रायबरेली / अमेठी	फुरसतगंज हवाई अड्डा	उड़ान स्कूल
➢ लखीमपुर खीरी	पलिया हवाई अड्डा	घरेलू
➢ सहारनपुर	सरसावा हवाई अड्डा	घरेलू (सीई)
➢ सुल्तानपुर	अमहट हवाई पट्टी	राज्य/निजी
➢ सोनभद्र	मुइरपुर हवाई अड्डा	

Result Mitra

उत्तर प्रदेश : जनगणना परिदृश्य

2011 के अंतिम जनगणना रिपोर्ट के अनुसार

राज्य की कुल जनसंख्या
19,98,12,341
देश के कुल आबादी के(16.51%)

10,44,80,510
(52.29%) पुरूष

9,52,31,831
(47.71%) महिलाएं

सर्वाधिक आबादी वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-
1. इलाहाबाद (59,54,351),
2. मुरादाबाद (47,72,006),
3. गाजिया. (46,81,645),
4. आजमगढ़ (46,13,913)
5. लखनऊ (45,89,838

सबसे कम आबादी वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-
1. महोबा (8,75,958),
2. चित्रकूट (9,91,730),
3. हमीरपुर (11,04,285),
4. श्रावस्ती (11,17,361)
5. ललितपुर (12,21,592)

0-6 आयुवर्ग की जनसंख्या

3,07,91,331
(15.41 %)

सर्वाधिक आबादी वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-
1. इलाहाबाद,
2. मुरादाबाद,
3. सीतापुर,
4. आजमगढ़
5. बरेली

सबसे कम आबादी वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में हैं)-
1. महोबा,
2. हमीरपुर,
3. चित्रकूट,
4. बागपत
5. औरैया

वृद्धि दर

- प्रदेश के जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर - 20.22%
  - पुरुष 19.31%
  - महिला 21.23%

- दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर की दृष्टि से देश के सभी राज्यों/के.शा. प्रदेशों में राज्य का 14वाँ स्थान है।

सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर वाले 5 जिले है-

1. गौ.बु.न. (49.1%),
2. गाजियाबाद (41.3%),
3. श्रवस्ती (30.5),
4. बहराइच (29.3%)
5. बलरामपुर (27.7%)

सबसे कम वृद्धिदर वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-

1. कानपुर न. (9.9%)
2. हमीरपुर (11.1%),
3. बागपत (11.9%),
4. फतेहपुर (14.1%)
5. देवरिया (14.2%)

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

जनसंख्या घनत्व

- राज्य का औसत जनघनत्व - 829 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी है
- 2011 के अनुसार जनघनत्व की दृष्टि से यह देश के राज्यों/के.शा. प्रदेशों में 9वें स्थान पर है
- स्वतंत्रता के बाद राज्य के जनघनत्व में सर्वाधिक (171 की) वृद्धि 1981-91 के दौरान, जबकि सबसे कम (36 की) वृद्धि 1951-61 के दौरान हुई।

शीर्ष पाँच जनसंख्या घनत्व वाले जिलें (पटते क्रम में) क्रमशः हैं-

1. गाजियाबाद (3971),
2. वाराणसी (2395),
3. लखनऊ (1816),
4. भदोही (संतरविदास नगर) (1555)
5. कानपुर नगर (1452)

न्यूनतम पाँच जनसंख्या घनत्व वाले जिते (बढ़ते क्रम में) क्रमशः-

1. ललितपुर (242),
2. सोनभद्र (270),
3. हमीरपुर (275),
4. महोबा (279),
5. चित्रकूट (308)

Result Mitra

साक्षरता दर

2011 के अनुसार उ.प्र. की कुल साक्षरता - 67.7%,
- पुरुष साक्षरता 77.3%
- स्त्री साक्षरता 57.2%

- ❑ देश में औसत व पुरूष साक्षरता की दृष्टि से (सभी राज्यों में) उ.प्र. 29वें स्थान पर है। जबकि महिला साक्षरता में 31वें स्थान पर है।
- ❑ उ.प्र. साक्षर जनसंख्या वृद्धि में (57.25%) में यह देश का तीसरा राज्य है।
- ❑ 2011 के अनुसार राज्य में महिला व पुरुष साक्षरता के बीच अन्तर 20.1% का है। इस तरह का सर्वाधिक अन्तर महराजगंज व सबसे कम कानपुर नगर जिले में हैं।

• सर्वाधिक औसत साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-
1. गौतमबुद्ध नगर (80.12%),
2. कानपुर नगर (79.65%),
3. औरैया (78.95%),
4. इटावा (78.41%)
5. गाजियाबाद (78.07%)

• न्यूनतम औसत साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-
1. श्रावस्ती (46.74%),
2. बहराइच (49.36%),
3. बलरामपुर (49.51%),
4. बदायूं (51.29%),
5. रामपुर (53.34%)

• सर्वाधिक पुरूष साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-
1. गौतमबुद्ध नगर (88.06%),
2. औरैया (86.11%),
3. इटावा (86.06%),
4. गाजियाबाद (85.42%),
5. झांसी (85.38%)

• न्यूनतम पुरूष साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-
1. श्रावस्ती (57.16%),
2. बहराइच (58.34%),
3. बलरामपुर (59.73%),
4. बदायूँ (60.98%),
5. रामपुर (61.40%)

• सर्वाधिक महिला साक्षरता वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-

1. कानपुर नगर (75.05%),
2. लखनऊ (71.54%),
3. गौतमबुद्ध नगर (70.82%),
4. औरैया (70.61%),
5. गाजियाबाद (69.79%)

• न्यूनतम महिला साक्षरता वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-

1. श्रावस्ती (34.78%),
2. बलरामपुर (38.43%),
3. बहराइच (39.18%),
4. बदायूँ (40.09%),
5. रामपुर (44.44%)

लिंगानुपात

- 2011 के अनुसार प्रदेश में 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या (लिंगानुपात) 912 है, जो कि राष्ट्रीय औसत (943) से 31 कम है।
- वयस्क लिंगानुपात और शिशु लिंगानुपात दोनों की दृष्टि से यह देश के राज्यों/के.शा. प्रदेशों में 26वें स्थान पर है।
- 0-6 आयु वर्ग का लिंगानुपात 2001 में 916 था, जो कि घटकर 2011 में 902 हो गया है।

शीर्ष पाँच लिंगानुपात वाले जिले (घटते क्रम में) क्रमशः हैं-

1. जौनपुर (1024),
2. आजमगढ़ (1019),
3. देवरिया (1017),
4. प्रतापगढ़ (998)
5. सुल्तानपुर (983)

न्यूनतम पाँच लिंगानुपात वाले जिले (बढ़ते क्रम में) क्रमशः हैं-

1. गौतमबुद्ध नगर (851),
2. बागपत / हमीरपुर (861),
3. कानपुर नगर/बांदा/मथुरा (863),
4. औरैया (664)
5. जालौन (865)

• राज्य में सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले (घटते क्रम में) हैं-

1. बलरामपुर (950),
2. सं.क. नगर (942),
3. सिद्धार्थ न./ बहराइच (935),
4. अम्बेडकर न./बाराबंकी (932)
5. महराजगंज/ फैजाबाद (931)

सबसे कम शिशु लिंगानुपात वाले 5 जिले (बढ़ते क्रम में) हैं-

1. बागपत (841),
2. गौ. बु.न. (843),
3. गाजियाबाद (850),
4. मेरठ (852)
5. बुलंदशहर (854)

- सर्वाधिक व सबसे कम ग्रामीण आबादी वाले जिले इलाहाबाद व गौतम बुद्ध नगर
- सर्वाधिक व सबसे कम शहरी आबादी वाले जिले गाजियाबाद व श्रावस्ती
- सर्वाधिक व सबसे कम नगरीकरण प्रतिशत वाले जिले गाजियाबाद व श्रावस्ती
- सर्वाधिक वं सबसे कम एससी आबादी वाले जिले (2011): सीतापुर व बागपत
- सर्वाधिक व सबसे कम एससी प्रतिशत वाले जिले (2011) : कौशाम्बी (34.72%) व बाग. (11.44%)
- सर्वाधिक व सबसे कम एसटी आबादी वाले जिले (2011): सोनभद्र व बागपत
- सर्वाधिक व सबसे कम एसटी प्रतिशत वाले जिले सोनभद्र (20.67%) व बागपत (0.001%)
- कुल कार्यशील आबादी में मुख्य व सीमांत कामगार (2011) : 67.8% व 32.2%
- कुल कार्यशील आबादी में कृषक (2011) : 29.0%
- कुल कार्यशील आबादी में कृषि श्रमिकः (2011) : 30.3%
- कुल कार्यशील आबादी में घरेलू उद्योग से जुड़े लोग (2011): 5.9%
- देश के कुल स्लम आबादी में महा., आन्ध्रा व बंगा. के बाद उ.प्र. चौथा (9.5%)
- सर्वाधिक स्लम प्रतिवेदित नगरों वाले तीन प्रदेश तमिल. (507), म.प्र. (303) व उ.प्र. (293)
- राज्य में सर्वाधिक स्लम आबादी वाले 5 नगर (घटते क्रम में) हैं: मेरठ, आगरा, कान. न., लख., गाजिया.

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख शोध संस्थान

संस्थान	स्थान
भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान	- लखनऊ
राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान	- लखनऊ
केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान	- लखनऊ
राष्ट्रीय चीनी अनुसंधान संस्थान	- कानपुर
इंडियन टेक्नोलॉजिकल रिसर्च सेंटर	- लखनऊ
सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स (CIMAP)	- लखनऊ
न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान	- लखनऊ
अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन	- लखनऊ
नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज	- लखनऊ
इंडियन ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट	- हापुड़

Result Mitra

संस्थान	स्थान
बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोबॉटनी	- लखनऊ
भारतीय पशु-चिकित्सा (Veterinary) अनुसंधान संस्थान	- इज्जतनगर
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी	- वाराणसी
राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र	- झांसी
राष्ट्रीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	- लखनऊ
केंद्रीय पक्षी (Avian) अनुसंधान संस्थान	- इज्जतनगर, बरेली
भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	- कानपुर
इंडियन इंस्टीट्यूड ऑफ वेजीटेबल रिसर्च	- वाराणसी
हरीशचंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज	
केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (पूर्वनाम - केंद्रीय आम अनुसंधान संस्थान)	- लखनऊ
राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला	- लखनऊ
केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG)	- मथुरा
कोशिकीय एवं निवारण अर्बुदशास्त्र संस्थान (ICPO)	- नोएडा

Result Mitra

संस्थान	स्थान
➢ गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान	- प्रयागराज
➢ सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट	- सहारनपुर
➢ भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (IICT)	- भदोही
➢ राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD)	- नोएडा
➢ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स	- नोएडा
➢ वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट लखनऊ	- नोएडा

Result Mitra

उत्तर प्रदेश के प्रमुख पार्क एवं सिटी

Result Mitra

पार्क एवं सिटी	स्थान
डिफेंस पार्क	कानपुर, झांसी व लखनऊ
साइबर सिटी	कानपुर
एयरोस्पेस पार्क	लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ व गौतमबुद्ध नगर
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया	नोएडा
रक्षा औद्योगिक गलियारा	अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर तथा लखनऊ
लायन सफारी पार्क	इटावा
क्षेत्रीय साइंस सिटी	लखनऊ
नाइट सफारी पार्क	ग्रेटर नोएडा
नॉलेज पार्क	ग्रेटर नोएडा
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास पार्क	कानपुर
ट्रोनिका सिटी	गाजियाबाद
जैव प्रौद्योगिकी पार्क	लखनऊ
निकिडा सिटी	कानपुर व उन्नाव के बीच

पार्क एवं सिटी	स्थान
इलेक्ट्रॉनिक सिटी	नोएडा आगरा
मेडी सिटी	चकगंजरिया, लखनऊ
प्लास्टिक सिटी	दिबियापुर, औरैया
लेदर पार्क	आगरा
निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क	ग्रेटर नोएडा, आगरा
टेक्सटाइल एवं होजरी पार्क	कानपुर
साइंस पार्क	संडीला (हरदोई)
लेदर टेक्नोलॉजी पार्क	बंथर (उन्नाव)
एपैरल (टेक्सटाइल) पार्क	ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद
मेगा फूड पार्क	बहेड़ी (बरेली)
थीम पार्क (पर्यटन संबंधी)	आगरा
वेव सिटी	गाजियाबाद
टॉय सिटी	ग्रेटर नोएडा
एग्रो पार्क	बाराबंकी व वाराणसी
बुद्धा थीम पार्क	सारनाथ (वाराणसी)

पार्क एवं सिटी	स्थान
परफ्यूम पार्क	कन्नौजे

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

औद्योगिक संस्थान

औद्योगिक संस्थान	अवस्थिति (स्थापना)
➢ उत्तर प्रदेश औद्योगिक सहकारी संघ (यूपिका)	कानपुर (1952)
➢ उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम	कानपुर (1954)
➢ प्रादेशिक औद्योगिक व पूंजी निवेश निगम (पिकप)	लखनऊ (1972)
➢ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड	कानपुर (1961)
➢ उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड	कानपुर (1958)
➢ उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लिमिटेड	लखनऊ (1966)
➢ राज्य चर्म विकास एवं विपणन लिमिटेड	आगरा (1974)
➢ उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड	लखनऊ (1974)

Result Mitra

औद्योगिक विकास प्राधिकरण

- नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) गौतमबुद्ध नगर
- गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) गोरखपुर
- सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) जौनपुर
- वृहद नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेटर नोएडा), गौतमबुद्ध नगर
- लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (लीडा) लखनऊ
- भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा), भदोही

प्रमुख सांस्कृतिक अकादमी और संगीत संस्थान - स्थापना वर्ष

अकादमी/संस्थान	अवस्थिति/वर्ष
राज्य ललित कला अकादमी	लखनऊ (1962)
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी	लखनऊ (1969) (पूर्व नाम उत्तर प्रदेश संगीत नाट्य भारती - 1963)
भारतेन्दु नाट्य अकादमी	लखनऊ (1975)
राष्ट्रीय कथक संस्थान	लखनऊ
जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान	लखनऊ

अकादमी/संस्थान	अवस्थिति/वर्ष
कला एवं शिल्प महाविद्यालय	लखनऊ (1911)
भारतीय कला भवन	वाराणसी (1920)
उत्तर प्रदेश चलचित्र निगम	1975
एकमात्र शास्त्रीय नृत्य	कथक
भातखंडे संगीत संस्थान	1966 लखनऊ
मोतीलाल नेहरू बाल संग्रहालय	लखनऊ (1957)
उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार	प्रयागराज (1947)
कुषाण एवं गुप्तयुगीन संस्कृति का एकमात्र संग्रहालय	मथुरा
बटेश्वर मेला	आगरा
सुलहकुल उत्सव	आगरा
चरकुला नृत्य	ब्रज क्षेत्र
तबला एवं सितार का आविष्कार	अमीर खुसरो
अयोध्या शोध संस्थान	अयोध्या (1986)
उत्तर प्रदेश जैन विद्याशोध संस्थान	लखनऊ (1990)

Result Mitra

शिक्षा से संबंधित विभाग के स्थापना वर्ष

Result Mitra

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद — 1981
- उत्तर प्रदेश भाषा विभाग — 1958
- उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद — July 25, 1972
- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान — 1976
- उत्तर प्रदेश अनुसंधान परिषद — 1989
- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान — 1976
- डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फार हैंडीकैप्ट कानपुर — 1997
- उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया — 1989
- हृदय रोग संस्थान एवं जे.के. कैंसर संस्थान — कानपुर
- प्रदेश का पहला हिन्दी पत्र — बनारस अखबार (1845)
- उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान — सैफई, (इटावा) (2005)
- प्रदेश का पहला उर्दू पत्र — सरदल अखबार (1846)

उत्तर प्रदेश के मेलों की सूची

मेला का नाम	स्थान
कालिंजर मेला	बांदा
देवी पाटन मेला	बलरामपुर
लखनऊ महोत्सव	लखनऊ
देव मेला	बाराबंकी
माकनपुर मेला	फर्रुखाबाद
बाल सुंदरी देवी मेला	अनूपशहर
वाराणसी पर्यटन उत्सव	वाराणसी
गंगा महोत्सव	वाराणसी
त्रिवेणी महोत्सव	इलाहाबाद
होली उत्सव	मथरा
कबीर मेला	मगहर (संत कबीर नगर)
परिक्रमा मेला	अयोध्या
रामायण मेला	चित्रकूट
कैलाश मेला	आगरा

मेला का नाम	स्थान
सोरो मेला	कासगज
खिचड़ी मेला	गोरखपुर
गोविंद सागर मेला	अम्बेडकर नगर
राम बरात	आगरा
रामनवमी मेला	अयोध्या
आयुर्वेद महोत्सव	झांसी
बिटुर गंगा महोत्सव	कानपुर
कजली महोत्सव	महोबा
रामनगरिया मेला	फर्रुखाबाद
श्रावणी मेला	फर्रुखाबाद

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

1.कुंभ मेला: यह दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक है, जो पूरे भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों से लाखों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। यह मेला हर 12 साल में एक बार **प्रयागराज** (जो मूल रूप से इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था) में गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर होती है। त्योहार धार्मिक वार्ता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नदी में अनुष्ठान स्नान द्वारा चिह्नित किया जाता है।

2.बटेश्वर मेला: बटेश्वर मेला एक वार्षिक उत्सव है जो नवंबर के महीने में **बटेश्वर** में होता है, जो **आगरा** के करीब स्थित है। त्योहार का प्राथमिक फोकस एक पशु मेला है, जहां पड़ोसी समुदायों के निवासी अपने पशुओं को बेचने या बेचने के लिए लाते हैं। इसके अलावा, मेले में युवाओं के लिए कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, फूड स्टॉल और मनोरंजन के आकर्षण होंगे।

3.गढ़मुक्तेश्वर मेला: यह मेरठ के करीब स्थित **हापुड़** में कार्तिक (अक्टूबर-नवंबर) के महीने में लगता है। यह आयोजन भगवान शिव के सम्मान में आयोजित किया जाता है, और प्राथमिक आकर्षण एक विशाल शिव लिंग है जो गंगा के तट पर पाया जा सकता है। मेले में सवारी और भोजन बूथों के अलावा, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है।

4.नौचंदी मेला: नौचंदी मेला एक वार्षिक कार्यक्रम है जो प्रत्येक वर्ष अप्रैल के महीने में **मेरठ** में होता है। नौचंदी मैदान में होने वाले और इसी नाम से जाने जाने वाले इस उत्सव में खाद्य विक्रेताओं और आकर्षण के अलावा कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं। मेले का इतिहास मुगल सम्राटों के समय का है, जब यह विभिन्न समुदायों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थान के रूप में कार्य करता था।

5.देवाशरीफ मेला : लखनऊ के पास स्थित **बाराबंकी** में एक प्रसिद्ध वार्षिक मेला लगता है जो नवंबर के महीने में आयोजित होता है। यह उत्सव भगवान शिव के सम्मान में आयोजित किया जाता है और अपनी जीवंत जुलूसों, विविध सांस्कृतिक प्रदर्शनों और शानदार आतिशबाजी के प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध है।

6.मकर संक्रांति मेला: मकर संक्रांति मेला एक वार्षिक आयोजन है जो जनवरी के महीने में **फर्रुखाबाद** में होता है। उत्सव को पतंग उड़ाने, सांस्कृतिक गतिविधियों और खाने के स्टालों की स्थापना से उजागर किया जाता है।

7.ढाई घाट मेला: कार्तिक के महीने के दौरान, **शाहजहाँपुर** शहर वार्षिक **ढाई घाट मेला** (अक्टूबर-नवंबर) की मेजबानी करता है। त्योहार शहर के एक क्षेत्र में आयोजित किया जाता है जिसे ढाई घाट के रूप में जाना जाता है, और इसमें खाद्य दुकानों और आकर्षण के अलावा कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं।

1.गोला गोकर्णनाथ मेला: यह एक वार्षिक मेला है जो **लखीमपुर खीरी** में हर साल नवंबर के महीने में लगता है। यह कार्यक्रम भगवान शिव के सम्मान में आयोजित किया जाता है और इसमें सवारी और भोजन स्टालों के अलावा कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं।

2.बाला सुंदरी देवी मेला: अनूपशहर वार्षिक उत्सव का स्थान है, जिसे बाला सुंदरी देवी मेला के रूप में जाना जाता है, जो चैत्र (मार्च-अप्रैल) के महीने में होता है। बालसुंदरी देवी मंदिर ने त्योहार के नाम के लिए प्रेरणा प्रदान की, और इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियाँ, खाद्य विक्रेता और आकर्षण भी शामिल हैं।

3.कालिंजर मेला: यह एक वार्षिक उत्सव है जो प्रत्येक वर्ष जनवरी के महीने में **बांदा** में होता है। कालिंजर किला त्योहार के नाम की प्रेरणा था, और यह विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों पर प्रकाश डालता है।

प्रमुख महोत्सव

- ❑ आयुर्वेद महोत्सव - झांसी
- ❑ आगरा महोत्सव - आगरा
- ❑ बिठूर गंगा महोत्सव - कानपुर
- ❑ वरुणा महोत्सव - वाराणसी
- ❑ कजली महोत्सव - महोबा
- ❑ होली का महोत्सव - मथुरा
- ❑ त्रिवेणी महोत्सव - इलाहाबाद
- ❑ गंगा महोत्सव - वाराणसी
- ❑ वाराणसी पर्यटन उत्सव - वाराणसी
- ❑ लखनऊ महोत्सव - लखनऊ

- ➢ उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 2250 मेले आयोजित किये जाते हैं।
- ➢ सर्वाधिक मेले मथुरा (86), कानपुर हमीरपुर (79), झांसी (78), आगरा (72) तथा फतेहपुर (70) में होते हैं।
- ➢ उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष लखनऊ, आगरा तथा वाराणसी नगरों में महोत्सव का आयोजन किया जाता है।
- ➢ हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक "सुलहकुल उत्सव का आयोजन आगरा में किया जाता है।
- ➢ अयोध्या परिक्रमा का आयोजन रामजन्मभूमि (अयोध्या) में किया जाता है।
- ➢ उत्तर प्रदेश में विश्व का सबसे बड़ा मेला कुम्भ मेला प्रयाग में लगता है।
- ➢ उत्तर प्रदेश में सबसे काम मेले पीलीभीत जिले में लगते हैं।
- ➢ दादरी के पशु मेले का आयोजन बलिया में किया जाता है।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख संग्रहालय

नाम	स्थापना वर्ष
राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, कन्नौज	1996
राज्य संग्रहालय, लखनऊ	1863
राजकीय संग्रहालय, मथुरा	1874
राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा	2003
राजकीय संग्रहालय, झांसी	1978
डॉ. भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर	2004
राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर	1988
लोक कला संग्रहालय, लखनऊ	1989
अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या	1988
कालका बिन्दादीन महाराज की ड्यूढ़ी व कथक संग्रहालय, लखनऊ	2016
जनपदीय संग्रहालय, सुल्तानपुर	1989
लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, वाराणसी	2018
राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ	1997
बाल संग्रहालय, कन्नौज	(निर्माणाधीन)
राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर	1995
राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, फर्रुखाबाद	(निर्माणाधीन)
राजकीय बौद्ध संग्रहालय, पिपरहवां (सिद्धार्थनगर)	2000

Result Mitra

उत्तर प्रदेश के प्रमुख संग्रहालय

नाम	स्थापना वर्ष	नाम	स्थापना वर्ष
राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, कन्नौज	1996	राज्य संग्रहालय, लखनऊ	1863
राजकीय संग्रहालय मथुरा	1874	राजकीय जैन संग्रहालय मथुरा	2003
राजकीय संग्रहालय, झांसी	1978	डॉ. भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय रामपुर	2004
राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर	1988	लोक कला संग्रहालय, लखनऊ	1989
अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या	1988	कालका बिन्दादीन महाराज की ड्यूदी व कथक संग्रहालय, लखनऊ	2016
जनपदीय संग्रहालय, सुल्तानपुर	1989	तात बहादूर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, वाराणसी	2018
राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ	1997	बाल संग्रहालय,कन्नौज	(निर्माणाधीन)
राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर	1995	राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, फर्रुखाबाद	(निर्माणाधीन)
राजकीय बौद्ध संग्रहालय पिपरहवा (सिद्धार्थनगर)	2000		

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख शिक्षण संस्थान

केंद्रीय विश्वविद्यालय	**स्थिति (अधिसूचना वर्ष/स्थापना)**
प्रयागराज विश्वविद्यालय	प्रयागराज (प्रयागराज) (1887)
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय	वाराणसी (1916)
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	अलीगढ़ (1920)
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय	लखनऊ (1996)
राजवी गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय	रायबरेली (स्थापना हेतु वर्ष 2013 में अधिनियम पारित
रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय	झांसी (2014)
कृषि विश्वविद्यालय	**स्थिति (अधिसूचना वर्ष / स्थापना)**
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	कानपुर (1974)
नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	अयोध्या (1974)
(उ.प्र सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित कर आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या कर दिया है।	
सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	मेरठ (2004)
सैम हिगिनबाट यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलोजी एंड साइंसेज	प्रयागराज (प्रयागराज) (2000)
बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	बांदा (2010)

Result Mitra

राज्य विश्वविद्यालय	स्थिति (अधिसूचना वर्ष / स्थापना)
लखनऊ विश्वविद्यालय	लखनऊ (1921)
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय	जौनपुर (1997)
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	कानपुर (1965)
छत्रपती महाराज विश्वविद्यालय कानपुर	गोरखपुर (1957)
डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय	आगरा (1927)
डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय	अयोध्या (1975)
नोट- उत्तर प्रदेश सरकार ने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या कर दिया है।	

उत्तर प्रदेश के प्रमुख लघु एवं कुटीर उद्योग

उद्योग का नाम	केंद्र का नाम	उद्योग का नाम
दरी निर्माण	सीतापुर, बरेली, आगरा, अलीगढ़, इटावा, मिर्जापुर, शाहजहांपुर	लकड़ी के खिलौने
गलीचा निर्माण	आगरा, वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर	बेत की छड़ियां
दियासलाई उद्योग	बरेली, सहारनपुर, प्रयागराज मेरठ, रामपुर	खेल का सामान
साबुन उद्योग	कानपुर आगरा, मोदीनगर गाजियाबाद मेरठ	पीतल और कलई के बर्तन
चीनी मिट्टी के बर्तन	खुर्जा, गाजियाबाद	बर्तनों पर कलाई एवं नक्काशी

नल के पाइप	प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ	पीतल के ताले, सरौते, चाकू, कैचियां एवं छुरे
औषधि निर्माण	कानपुर, झांसी, लखनऊ, सहारनपुर	पीतल की मूर्तियां
टॉर्च निर्माण	लखनऊ	लोहे के बाट
रंग-रोगन एवं वॉर्निश	कानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, मोदीनगर, बरेली, लखनऊ	
सिगरेट निर्माण	सहारनुपर एवं गाजियाबाद	जरी और चिकन पर गोटे का काम
हथकरघा एवं सूती वस्त्र	मेरठ, देवबंद, धामपुर, सिकंदराबाद, टांडा, मगहर, मऊ, मुबारकपुर	हाथ से कागज बनाना
कंबल निर्माण	मुजफ्फरनगर, नजीबाबाद, लावड़ (मेरठ)	इत्र एवं सुगंधित तेल
लकड़ी का फर्नीचर	हाथरस, वाराणसी सहारनपुर, बरेली	मिट्टी के खिलौने
लकड़ी पर नक्काशी	सहारनुपर और नगीना	बिस्किट

उत्तर प्रदेश की प्रमुख जनजातियां

जनजाति	जनपद	जनजाति	जनपद
गोड़, धुरिया, नायक,	महराजगंज, सिद्धार्थ	पांखा, पानिका	सोनभद्र एवं

ओझा, पथारी, राजगोंड	नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ, जौनपुर, मिर्जापुर एवं सोनभद्र।		मिर्जापुर
खरवर, खेरवार	देवरिया, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी एवं सोनभद्र।	अगरिया	सोनभद्र
सहरिया	ललितपुर	पटारी	सोनभद्र
पहरिया	सोनभद्र	चेरो	सोनभद्र एवं वाराणसी
बैगा	सोनभद्र	भुइया, भुईया	सोनभद्र

उत्तर प्रदेश का कला एवं संस्कृति

- उत्तर प्रदेश में संस्कृति विभाग की स्थापना 1957 में की गई थी। उत्तर प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक क्षेत्र ब्रज, अवध, बुन्देलखंड, रुहेलखंड तथा भोजपुरी क्षेत्र है। उत्तर प्रदेश में स्थापत्य कला के प्राचीनतम (मौर्यकालीन) नमूने सारनाथ, कौशांबी, कुशीनगर आदि स्थानों से प्राप्त होते है। उत्तर प्रदेश में गुप्तकालीन मंदिरों के साक्ष्य देवगढ़ (झाँसी), भीतरगांव (कानपुर), तथा भीतरी (गाजीपुर से मिलते है।
- बड़े इमामबाड़े का हाल लखनऊ शैली का विशुद्ध नमूना है। मुगल (आगरा), मथुरा (ब्रज) तथा बुन्देली शैली आदि मध्यकाल की प्रमुख चित्रकला शैलियाँ है। वाश टेम्पा या लखनऊ शैली आधुनिक चित्रकला की प्रमुख शैलियां है। लखनऊ चित्रकला शैली के जनक असित कुमार हल्दार हैं।
- मध्यकाल के प्रमुख संगीतकार स्वामी हरिदास, कश्यप, शार्दुल, मातंगम, अभिनवगुप्त, हरिपाल, अमीर खुसरो, अदारंग, सदारंग, वाजिद अलीशाह, तानसेन, बैजू, हुसैन शर्की आदि है। स्वामी हरिदास जी निधिवन, वृन्दावन में रहते थे। स्वामी

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

हरिदास का जन्म हरिदासपुर, अलीगढ़ में हुआ था। ध्रुपद-धमार राग का प्रवर्तन स्वामी हरिदास जी ने किया।

- उत्तर प्रदेश के प्रमुख संगीत घराने-आगरा, लखनऊ, वाराणसी, सहारनपुर, रामपुर, किराना (मुजफ्फर नगर), अतरौली (अलीगढ़), एवं खुर्जा (अलीगढ़) घराना आदि है। लखनऊ के मिया गुलाम नबी शौरी ने टप्पा पोती का प्रवर्तन किया। शाहजहाँपुर व इटावा (गौरीपुर) घराना सरोदवादन के लिए प्रसिद्ध है। अजराड़ा (मेरठ) घराना तबला वादन के लिए प्रसिद्ध है।
- मोटू व बख्शूर खाँ ने तबले के लखनऊ घराने को सूत्रपात किया। पं. रामसहाय ने तबले के वाराणसी घराने का सूत्रपात किया। मोटू खाँ, बख्शूर खाँ, मुन्ने खाँ, खलीफा वाजिद हुसैन खाँ, असफाक, हीरेन्द्र गांगुली आदि लखनऊ घराने के तबला वादक हैं।
- रामसहाय, जानकी सहाय, दुर्गा दास सहाय, कंठे महराज, किशन महराज, शारदा सहाय, भैरव प्रसाद पं. अनोखे लाल, महावीर भट्ट, परतप्पू महराज, वाचा मिश्र, समता प्रसाद मिश्र उर्फ गुंदई महराज, रामजी मिश्र आदि बनारस घराने के तबला वादक है।
- अलाउद्दीन खाँ व उनके शिष्य पं. रविशंकर राजभाव सिंह, मुश्ताक अली खाँ, वीरेन्द्र कुमार मिश्र आदि बनारस घराने के सितार वादक हैं। रजा खाँ, गुलाम मुहम्मद, रहीमसेन, इलियास खाँ, आदि लखनऊ घराने के सितार वादक है। शम्भू-महराज, पागलदास, महन्त अमरनाथ, मन्न मिश्र, मदन मोहन भोलानाथ आदि बनारस घराने के पखावज वादक है।
- कोदऊ सिंह, पं. सखाराम, पं. अयोध्या प्रसाद आदि लखनऊ घराने के पखावज वादक है। सादिक अली खाँ लखनऊ घराने के सारंगी वादक है। पं. राम बख्श, गणेशजी, हनुमान मिश्र, गोपाल मिश्र, तमाकू जी, वंशी महराज, शम्भू नाथ मिश्र, विरई जी आदि बनारस घराने के सारंगी वादक हैं। विस्मिल्ला खाँ व मुमताज खान बनारस घराने के सहनाई वादक हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकार और उनका संगीत घराना

घराना	**कलाकार**	**क्षेत्र**	**कलाकार**	**क्षेत्र**
लखनऊ घराना	बेगम अख्तर	गजल गायिका	शंभू महाराज	कथक नृत्य
	पंडित सखाराम	पखावज वादक	सादिक अली	सारंगी वादक
	पंडित अयोध्या प्रसाद	पखावज वादक	लच्छू महाराज	कथक नृत्य
	बिरजू महाराज	कथक नृत्य		
घराना	**कलाकार**	**क्षेत्र**	**कलाकार**	**क्षेत्र**
बनारस घराना	पंडित रविशंकर	सितार वादक	रसूलन बाई	ठुमरी टप्पा गायिका
	छोटी मैना बड़ी मैना	ठुमरी टप्पा गायिका	गिरिजा देवी	ठुमरी गायिका
	पागल दास	पखावज वादक	नलिनी-कमलिनी	कथक नृत्य
	मुस्ताक अली खां	सितार वादक		
घराना	**कलाकार**	**क्षेत्र**	**कलाकार**	**क्षेत्र**
किराना घराना	भीमसेन जोशी	ख्याल गायक	गंगूबाई हंगल	ख्याल गायिका
घराना	**कलाकार**	**क्षेत्र**	**कलाकार**	**क्षेत्र**
प्रयाग	हरिप्रसाद चौरसिया	बांसुरी वादक	जानकी बाई (छप्पन छुरी)	गायिका

संगीतकता (प्रमुख लोकगीत)

प्रमुख तोकगीत	क्षेत्र
ढिमरियाई, चंगोलिया, कुहाई, आल्हा,	बुन्देलखण्ड क्षेत्र

राछरा, दिवारी, हरदौल, पंवारा, ईसुरी, फाग, तकरारगीत व कव्वाली आदि	
विरहा सामान्यतः पूरे प्रदेश में और विशेषतः	पूर्वांचल क्षेत्र में
भजन, पूरन भगत, निर्गुण, पचरा व भर्तृहरि	भक्तो / साधुओं द्वारा
झूला, होरी, रसिया, बम रसिया, ब्रज मल्हार, पटका व समाज गायन आदि	ब्रज क्षेत्र
रागिनी, ढोला, स्वांग, लावनी, गुजरी	पश्चिमी क्षेत्र
लावणी, बहतरबील	रुहेलखंड क्षेत्र
हरदौल, पंवारा, ईसुरी फाग	बुन्देलखण्ड क्षेत्र
झुला, होरी, फाग, लंगुरिया व रसिया	ब्रज क्षेत्र
विरहा सामान्यतः पूरे प्रदेश में और विशेषतः	पूर्वांचल क्षेत्र
बधाई, सावनी, फाग, झूला, पचरा, कजरी, सोहर, संस्कार गीत व कव्वाली आदि	अवध क्षेत्र
कजरी का विशेष क्षेत्र	मिर्जापुर वाराणसी
कजरी, चौलर, कराही, गारी, पूर्वी कहरवां, सोहानी, रोपनी, दादरा, नटका, बिरहा, झूमर, झूला, चैली, चैता, होली, दादरा, कव्वाली, सोहर व बधाई गीत	पूर्वांचल क्षेत्र

<u>संगीतकता (प्रमुख लोक नृत्य)</u>

प्रमुख लोक नृत्य	**क्षेत्र**	**प्रमुख लोक नृत्य**	**क्षेत्र**
कहरउंवा (कहार समाज)	पूर्वांचल क्षेत्र	पासी नृत्य (पासी समाज)	पूर्वांचल क्षेत्र

नटुवा या नकटौरा नृत्य (महिला द्वारा पुरुष वेश धारणकर)	पूर्वांचल क्षेत्र	बहरूपिया नृत्य (भिन्न-भिन्न रूप बनाकर)	अवध क्षेत्र
नऊवा झारखंड, ढफला व सुराही नृत्य	अवध क्षेत्र	शिव बारात नृत्य (भूतों-प्रेतों का रुप बनाकर)	पूर्वांचल क्षेत्र
चंगोलियाए, ढिमिराई, शैतान व जवारा नृत्य	बुन्देलखण्ड	छोलिया नृत्य (तलवार-ढाल)	प्रदेश के राजपूतों द्वारा
चौलर नृत्य (अच्छी वर्षा व फसल हेतु)	मिर्जापुर-सोनभद्र क्षेत्र	ठठिया नृत्य (सरस्वती चरणों में)	मिर्जापुर-सोनभद्र क्षेत्र
ढरकहरी नृत्य (जनजातियों द्वारा)	मिर्जापुर-सोनभद्र क्षेत्र	करमा व शीला नृत्य (खरवार जनजाति)	मिर्जापुर-सोनभद्र क्षेत्र
ढेढिया नृत्य (मिट्टी की जालीदार मटका लेकर	अवध क्षेत्र	जोगिनी नृत्य (रामनवमी पर) कलाबाजी नृत्य)	अवध क्षेत्र
धोबिया नृत्य (धोबी समाज)	पूर्वांचल क्षेत्र	कठघोडवा नृत्य (कृत्रिम घोडा लेकर)	पूर्वांचल क्षेत्र
नटवरी नृत्य (अहीर समाज)	पूर्वांचल क्षेत्र	लट्ठमार होली नृत्य (बरसाना व नन्दगांव)	ब्रज क्षेत्र
घडा नृत्य (रथ पहिए के ऊपर घड़ा रखकर)	ब्रज क्षेत्र	चरकुला (108 दीपों का पिंजरा या चरकुला सिर पर रखकर महिलाओं द्वारा)	ब्रज क्षेत्र

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

मयूर नृत्य (मोर पंख पहनकर)	ब्रज क्षेत्र	झूला नृत्य (श्रावण मास मंदिरों में)	ब्रज क्षेत्र
रासक दंड नृत्य	ब्रज क्षेत्र	रासनृत्य	ब्रज क्षेत्र
कानरा नृत्य (किसी उत्सव पर धोबी समाज के कलाकारों द्वारा)	बुन्देलखण्ड	बरेंडी नृत्य (लट्ठमार होली की तरह रंग बिरंगी परिधान, अहीर समाज)	बुन्देलखण्ड
पाई डण्डा या मौनिया नृत्य (कृष्ण–गोपी बनकर)	बुन्देलखण्ड	दीप नृत्य (थाली में अनेक दीप रखकर, अहीर समाज)	बुन्देलखण्ड
राई नृत्य (महिलाओं द्वारा जन्माष्टमी)	बुन्देलखण्ड	देवी नृत्य	बुन्देलखण्ड
घोडा नृत्य (मांगलिक अवसरों पर घोडों द्वारा)	बुन्देलखण्ड	सौरा /शायरा नृत्य (फसल काटते समय)	बुन्देलखण्ड
कुम्हराई नृत्य (कुम्हारों द्वारा)	बुन्देलखण्ड	ख्याल नृत्य (पुत्र जन्मोत्सव पर)	बुन्देलखण्ड

उत्तर प्रदेश के प्रमुख दर्शनीय स्थल

प्रमुख स्थल	जनपद	प्रमुख स्थल	जनपद
ताजमहल	आगरा	शुक्रताल का प्राचीन शिव मंदिर	मुजफ्फरनगर
वृंदावन मंदिर	मथुरा	धानापुर शहीद	चन्दौली

Result Mitra

		स्मारक	
खानकाह रशीदिया	मैनपुरी	लॉर्ड कार्नवालिस का मकबरा	गाजीपुर
भगवान वाराह मंदिर	सोरों (कास)	देवकली मंदिर	औरेया
रूमी दरवाजा	लखनऊ	विक्टोरिया हाल घंटाघर	हरदोई
गोला गोकर्णनाथ मंदिर	लखीमपुर खीरी	तुलसी स्मारक	बांका
चक्रतीर्थ वधारण्य	सीतापुर	शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	फतेहपुर सीकरी (आगरा)
आनन्द भवन	प्रयागराज	इमामबाड़ा एवं छत्तर मंजिल	लखनऊ
कटकशाह बाबा की मजार	कौशाम्बी	लाल दरवाजा मस्जिद	जौनपुर
बावनी इमली शहीद स्थल	फतेहपुर	हाजी वारिस अली की मजार (देवा शरीफ)	बाराबंकी
फांसी इमली शहीद स्थल	प्रयागराज	सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह	बहराइच
शहीद स्थल छावनी	बस्ती	कपिल मुनि आश्रम, रामेश्वर मंदिर एवं भेदकुंड	फर्रूखाबाद
कनक भवन	अयोध्या	महर्षि दधीचि आश्रम	सीतापुर
सप्तमातृका की	कन्नौज	क्षेमकली देवी मंदिर,	कन्नौज

Result Mitra

प्रतिमा		पद्मावती सती मंदिर, जयचंद का किला एवं हाजी शरीफ मदिर	
जे.के मंदिर	कानपुर नगर	नंदीग्राम (भरत कुंड), शीश महल एवं नागेश्वरनाथ व राम जन्मभूमि मंदिर	अयोध्या
दिगंबर जैन मूर्तियां (आई किले से प्राप्त)	इटावा,	कनक भवन, मणिपर्वत, वाल्मीकि रामायण भवन	अयोध्या
शुक्ल तालाब	कानपुर देहात	सैयद शाह अब्दुल रज्जाक की दरगाह	बाराबंकी
गोरखनाथ मंदिर	गोरखपुर	महर्षि दुर्वासा एव भारद्वाज आश्रम	प्रयागराज
बौद्ध स्तुप	कुशीनगर एवं पिपरहवा (सिद्धार्थनगर)	कुतेश्वर मंदिर	बाराबंकी
बाबा सोमनाथ जी का मंदिर	देवरिया	देवा शरीफ की दरगाह एक पारिजात वृक्ष	बाराबंकी
संत कबीर निर्वाण स्थल	मगहर (संत कबीर नगर)	माता राजराजेश्वरी मंदिर	उन्नाव
माथाकुअर बुद्ध प्रतिमा	कुशीनगर	कामदगिरि पर्वत	चित्रकूट

दशावतार मंदिर	देवगढ़ (ललितपुर)	कालिंजर दुर्ग	बांदा
हरिदेव जी मंदिर	गोवर्धन (मथुरा)	रजा लाइब्रेरी	रामपुर
लाडली जी (राधा) मंदिर	मथुरा	शिवली एकेडमी	आजमगढ़
भीतरगांव गुप्तकालीन मंदिर	कानपुर	देवीपाटन (पाटेश्वरी देवी मंदिर)	बलरामपुर
भारद्वाज आश्रम एवं अक्षयवट	प्रयागराज	रेणुकेर महादेव मंदिर	सोनभद्र
शाकंभरी देवी मंदिर	सहारनपुर	सीताकुंड पाट	सुल्तानपुर
दानतीर्थ (हस्तिनापुर)	मेरठ	सीतामढ़ी धार्मिक स्थल	भदोही
व्यास टीला एवं नरसिंह टीला	जालोन	चौरासी गुंबद	कालपी (जालौन)
विध्यवासिनी मंदिर SCSGYAN	मिर्जापुर	बेल्हा देवी मंदिर	प्रतापगढ़
लोधेश्वर महादेव मंदिर	बाराबंकी	एजाज अली हॉल	बिजनौर
भृगु मंदिर	बलिया	अशफाक उल्ला की मजार	शाहजहापुर
मुगल घाट	फर्रूखाबाद	चाइना मंदिर	श्रावस्ती
औघड़नाथ मंदिर	मेरठ	रानी महल	झांसी
जायसी स्मारक	रायबरेली	मकरबई मंदिर	महोबा

Result Mitra

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

उत्तर प्रदेश बजट 2024-25

वित्त मंत्री

श्री सुरेश कुमार खन्ना

का

2024-2025 के बजट अनुमानों

पर

बजट भाषण

Result Mitra

मान्यवर,

जैसा मैंने प्रारम्भ में कहा है, हमारी नीतियां विशेष रुप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं। मैं इस क्रम में संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहूँगा।

किसान

- डार्क जोन में नये निजी नलकूप कनेक्शन देने पर लगे प्रतिबन्ध को हटा लिया गया है जिससे लगभग एक लाख किसानों को सीधा फायदा हुआ।

- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एकल रबी फसल की सिंचाई हेतु सीजनल टैरिफ का लाभ एवं अस्थाई विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गयी।

- वर्ष 2023–2024 में माह अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण कराया गया।

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** के अन्तर्गत 2022–2023 के लगभग 10 लाख बीमित कृषकों को माह अक्टूबर, 2023 तक 831 करोड़ रूपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया।

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना** के अन्तर्गत दिसम्बर, 2023 तक लगभग 63,000 करोड़ रूपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से 2 करोड़ 62 लाख कृषकों के खातों में हस्तान्तरित की गयी।

- **प्रधानमंत्री किसान मान–धन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश के लघु एवं सीमांत कृषकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पुरूष एवं महिला दोनों के लिए 3000 रूपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

- वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017 से 29 जनवरी, 2024 तक लगभग 46 लाख गन्ना किसानों को 2 लाख 33 हजार 793 करोड़ रूपये से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान कराया गया। यह गन्ना मूल्य भुगतान इसके पूर्व के 22 वर्षों के सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान 2 लाख 1 हजार 519 करोड़ रूपये से भी 20,274 करोड़ रूपये अधिक है।

- पेराई सत्र 2023–2024 के लिये गन्ने की अगैती प्रजाति का मूल्य 350 रूपये से बढ़ाकर 370 रूपये, सामान्य प्रजाति का 340 रूपये से बढ़ाकर 360 रूपये तथा अनुपयुक्त प्रजाति का मूल्य 335 रूपये से बढ़ाकर 355 रूपये प्रति कुन्तल हो गया है।

महिला एवं बाल विकास

- **निराश्रित महिला पेंशन** योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि 500 रूपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रूपये प्रतिमाह कर दी गयी है। योजना में 2023–2024 में तृतीय तिमाही तक 31 लाख 28 हजार निराश्रित महिलाओं को लाभान्वित किया गया।

- **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना** के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं को 6 विभिन्न श्रेणियों में कुल 15000 रूपये की सहायता प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2019–2020 से 2023–2024 तक 17.82 लाख लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया जा चुका है।

- **महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 200 उत्पादक समूहों का गठन करके तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाना लक्षित है।

- उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को कोष के अन्तर्गत 1 लाख रूपये से 10 लाख रूपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

युवा

- प्रदेश के 117 विकास खण्डों में 124 ग्रामीण स्टेडियम/ मल्टीपरपज हॉल का निर्माण किया गया है।

- प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एवं 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के कार्यों में सुनिश्चित कराई गई है।

- कर्नाटक में 12 से 16 जनवरी, 2023 तक आयोजित 26वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में उत्तर प्रदेश के लोकगीत की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

रोजगार

- एम0एस0एम0ई0 सेक्टर में **मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना** के अन्तर्गत अब तक 22 लाख 389 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुये 1,79,112 रोजगार सृजित किये गये।

- **एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना** के अन्तर्गत 13,597 लाभार्थियों के माध्यम से 1,92,193 रोजगार सृजित हुये।

- **विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना** तथा **एक जनपद एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना** के अन्तर्गत लगभग 4.08 लाख रोजगार सृजित हुये।

- ए0के0टी0यू0 से संबद्ध लगभग 700 से अधिक संस्थानों के छात्रों के लिये लगभग 25 हजार रोजगार के अवसर पिछले शैक्षिक सत्र में उपलब्ध कराये गये ।

- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन** के अन्तर्गत 12.15 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 4.13 लाख युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में सेवायोजित कराया गया।

- **महात्मा गाँधी नरेगा** योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–2024 में 28 करोड़ 68 लाख मानव दिवस सृजित कराते हुये 75 लाख 24 हजार श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 33 करोड़ मानव दिवस का सृजन किये जाने का लक्ष्य है।

- **मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार** योजनान्तर्गत वर्ष 2023–2024 में माह अक्टूबर, 2023 तक 408 लाभार्थियों को 1854.88 लाख पूँजीगत निवेश ऋण के साथ 7418 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

सामाजिक सुरक्षा

- प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को **वृद्धावस्था पेंशन** 1000 रूपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

- सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत** एक जोड़े के विवाह पर 51,000 रूपये अनुदान की व्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2022–2023 में 1,00,874 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराते हुये 510 करोड़ रूपये का व्यय किया गया।

श्रमिक कल्याण

- भारत सरकार द्वारा निर्मित ''ई–श्रम'' पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है जो देश में सर्वाधिक है।

- दिनांक 26 अगस्त, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 80.11 लाख **श्रमिकों को भरण पोषण भत्ता** के अन्तर्गत 2 हजार रूपये की दर से लगभग 1600 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया ।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना **''निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना''** कर दिया गया है। समस्त योजनाओं में माह नवम्बर, 2023 तक 40,183 कामगारों को लाभान्वित किया गया तथा 433 करोड़ रूपये की धनराशि व्यय की गई।

- **निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना** के अन्तर्गत गम्भीर बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने पर इलाज के व्यय की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति करायी जा रही है।

वित्तीय समावेशन

- प्रदेश की जनता को वर्तमान में बैंकों की 19,705 शाखाओं, 2,28,544 बैंक मित्र एवं बी0सी0 सखी तथा 17,852 ए0टी0एम0 के माध्यम से बैकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

- **प्रधानमंत्री जनधन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश में 9 करोड़ खातों के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा** योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 5 करोड़ 54 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

- **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा** योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 1.90 करोड़ के नामांकन साथ उत्तर प्रदेश द्वितीय स्थान पर है।

- **अटल पेंशन** योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 1 करोड़ 18 लाख नामांकन का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

औद्योगिक विकास

- विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में विकसित हो रही वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी से राज्य के उद्योगों में मैन्युफैक्चरिंग इकाईयों को अपने माल के परिवहन में सुविधा उपलब्ध होगी जिससे प्रदेश से निर्यात बढ़ेगा।

- महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लोकार्पण से प्रदेश में चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं तथा शीघ्र ही नोएडा के जेवर में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रारम्भ होने वाला है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पाँच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला भारत का एकमात्र राज्य बन जाएगा ।

- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैकिंग एवं विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुलभता (लीड्स–2023) रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने ''अचीवर्स'' की श्रेणी प्राप्त की है।

चिकित्सा क्षेत्र

- राज्य सरकार के प्रयासों से मातृ मुत्यु दर वर्ष 2014 में 285 प्रति लाख से कम होकर वर्ष 2022 में 167 प्रति लाख तथा शिशु मृत्यु दर वर्ष 2014 में 48 प्रति हजार से कम होकर वर्ष, 2020 में 38 प्रति हजार हो गयी है।

- वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2023 में ए0ई0एस0 (एक्यूट इन्सिफेलाइटिस सिन्ड्रोम) रोगियों की संख्या में 76 प्रतिशत तथा मृत्यु दर में 98 प्रतिशत की कमी एवं जे0ई0 (जापानी इन्सिफेलाइटिस) के रोगियों की संख्या में 85 प्रतिशत तथा मृत्यु में 96 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है।

- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

- सरकारी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में एम0बी0बी0एस0 की सीटों की संख्या 1840 से बढ़कर कर 3828 हो गयी है तथा निजी क्षेत्र के संस्थानों में सीटों की संख्या 2550 से बढ़कर 5250 हो गयी है। इस प्रकार कुल 9078 सीटें उपलब्ध हो गयी हैं।

- सरकारी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में पी0जी0 सीटों की संख्या 741 से बढ़कर 1543 तथा निजी क्षेत्र के संस्थानों में सीटों की संख्या 480 से बढ़कर 1775 हो गयी है। इस प्रकार पी0जी0 की कुल 3318 सीटें उपलब्ध हो गयी हैं।

- आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 4 करोड़ 86 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किये गये है। लाभार्थी परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सूचीबद्ध राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

मान्यवर,

वर्ष 2007 से 2017 तक की 10 वर्ष की अवधि में **मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष** से 60,970 व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता के रूप में 638 करोड़ 26 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के अब तक के कार्यकाल में वर्ष 2017 से अद्यावधिक अर्थात 07 वर्ष से भी कम अवधि में 1,61,962 व्यक्तियों को

चिकित्सा सहायता हेतु 2,765 करोड़ रूपये स्वीकृत किये जा चुके हैं जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया है, वह अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय मिसाल के रूप में हमारे समक्ष है। मैं कहना चाहूँगा कि –

मुक्त हूँ कर्तव्य की चिन्ताओं से,
दर्द से दुःख से मुझे आराम है।
हर किसी के वास्ते हर वस्तु है,
यह हमारे ऐश्वर्य का पैगाम है।।

कानून व्यवस्था

सरकार प्रदेशवासियों को अपराध एवं भयमुक्त वातावरण देकर रामराज्य की संकल्पना को साकार करने में पूरी तरह सफल रही है। विविध त्यौहारों एवं यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट– 2023, आजादी का अमृत महोत्सव, जी–20 सम्मेलन, क्रिकेट विश्व कप–2023 जैसे वृहद आयोजनों को शान्तिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराया गया। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में किये गये प्रबन्धों की सराहना देश–दुनिया से आये अतिथियों ने की ।

- वर्ष 2016 के मुकाबले वर्ष 2023 में डकैती के मामलों में 87 प्रतिशत, लूट में 76 प्रतिशत, हत्या में 43 प्रतिशत, बलवा में 65 प्रतिशत, फिरौती हेतु अपहरण में 73 प्रतिशत की कमी हुई है।

- ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत 8,54,634 सी0सी0टी0वी0 कैमरों का अधिष्ठापन किया जा चुका है।

- अप्रैल, 2017 से जनवरी, 2024 तक पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर 1,55,830 भर्तियाँ तथा 1,41,866 पदोन्नतियाँ की गयी हैं।

- महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हेतु सेफ सिटी परियोजना में महत्वपूर्ण स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों की स्थापना, इण्टीग्रेशन, डार्क स्पॉट्स का चिन्हीकरण एवं लाइट्स लगाना, हॉट प्वाइण्ट्स को चिन्हित करने, पिंक बूथों की स्थापना तथा बस/टैक्सियों में पैनिक बटन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

- 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन जनपद लखनऊ, गोरखपुर एवं बदायूँ में स्थापित हैं। जनपद बलरामपुर, जालौन, मिर्जापुर,

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

शामली तथा बिजनौर में 05 अन्य पी0ए0सी0 बटालियन स्थापित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

- उत्तर प्रदेश स्पेशल सेक्योरिटी फोर्स की 06 वाहिनियाँ गठित की गयी हैं।

- महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके सशक्तीकरण हेतु 1,699 एण्टी रोमियों स्क्वॉयड का गठन कर अनवरत अभियान चलाया जा रहा है।

- समस्त थानों में साइबर क्राइम सेल गठित किया गया है। वर्तमान में सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाना संचालित है।

- होमगार्ड स्वयंसेवकों की मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को 05 लाख रूपये की अनुग्रह राशि दी जाती है। दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत, होमगार्ड्स को 30 लाख रूपये की बीमा सुविधा प्रदान की गयी है।

मान्यवर,

अब मैं इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रमुख विभागों की मुख्य–मुख्य योजनाओं का ब्योरा प्रस्तुत करना चाहूँगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन** के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन हेतु वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 7350 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में हेल्थ वेलनेस सेन्टर केयर यूनिट, इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की स्थापना आदि कार्यों हेतु 952 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान** हेतु वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 300 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** हेतु वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 322 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **पं0 दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना** के अन्तर्गत आबद्ध निजी चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की व्यवस्था की गयी है जिस पर कुल 150 करोड़ रूपये का व्यय भार अनुमानित है, जिसका पूर्ण वहन राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

चिकित्सा शिक्षा

- प्रदेश में 65 मेडिकल कालेज हैं, जिनमें 35 राज्य सरकार एवं 30 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित है।
- वर्तमान में 45 जनपद मेडिकल कॉलेजों से आच्छादित किये जा चुके हैं व 14 जनपदों में केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित मेडिकल कॉलेज निमाणाधीन हैं। 16 असेवित जनपदों में निजी निवेश के माध्यम से मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।
- राजकीय क्षेत्र में बी0एस0सी0 नर्सिग कॉलेजों की संख्या 06 से बढ़ाकर 23 की गयी।
- जनपद वाराणसी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराये जाने का निर्णय लिया गया है इसके लिये 400 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- असाध्य रोंगों की मुफ्त चिकित्सा सुविधा हेतु 125 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजकीय मेडिकल कॉलेजों में ट्रामा सेन्टर लेवल–द्वितीय को ट्रामा सेन्टर लेवल–एक (100 बेडेड)/ एपेक्स ट्रामा सेन्टर (200 बेडेड) में उच्चीकृत किये जाने हेतु 300 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

आयुष

- आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में 1600 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर स्थापित किया जाना लक्षित है तथा 1035 राजकीय आयुर्वेदिक होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सालयों को हेल्थ वेलनेस सेन्टर्स में परिवर्तित किया जा रहा है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में वर्तमान में 2110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी एवं 1585 होम्योपैथी चिकित्सालयों के साथ ही 08 आयुर्वेदिक, 02 यूनानी तथा 09 होम्योपैथी कालेज एवं उनसे सम्बद्ध चिकित्सालय क्रियाशील हैं।
- वित्तीय वर्ष 2024–2025 में आयुष विभाग के अन्तर्गत प्रमुख रूप से महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर का निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने, जनपद अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं जनपद वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है।

- राजकीय आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों में औषधियों की समुचित व्यवस्था तथा 50 बेडेड एकीकृत आयुष चिकित्सालय 11 जनपदों में स्थापित है तथा 6 जनपदों में भवन निर्माण पूर्ण हो चुका है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास

- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नये औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) का गठन किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अनुरूप बुन्देलखण्ड क्षेत्र में औद्योगिक वाणिज्यिक और आवासीय टाउनशिप विकसित करने की योजना है।

- सेमी कंडक्टर, डाटा सेन्टर, स्टार्टअप एवं आईटी सेक्टर्स से संबंधित विशेष योजना के साथ ही वर्ष 2022 में इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिये नीति भी लागू की गई है।

- प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर में बड़े पैमाने पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। डिफेंस कॉरीडोर के 6 नोड्स में से 3 नोड्स का आवंटन पूर्ण हो चुका है।

- उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कम्पनियों के निवेश को आकर्षित करने के लिये **फॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेन्ट एवं फॉर्च्यून 500 कम्पनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति–2023** घोषित की है। किसी भी राज्य द्वारा बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश को आकर्षित करने का यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। नीति के क्रियान्वयन हेतु 250 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना** के अन्तर्गत टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण हेतु 4000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वर्तमान वर्ष में 25 लाख से अधिक टैबलेट/स्मार्टफोन बाटे गये है यह प्रक्रिया गतिमान है।

- **गंगा एक्सप्रेस–वे परियोजना** हेतु 2057 करोड़ 76 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।

- आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे को जोड़ने हेतु नये लिंक एक्सप्रेस–वे निर्माण हेतु 500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **अटल इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन** हेतु 400 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 33 प्रतिशत अधिक है।

मान्यवर,

अवस्थापना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश एक अग्रणी प्रदेश के रूप में उभरा है। अपराध पर लगाम लगी है, अपराधियों का प्रदेश से सफाया हो चुका है। आज से 07 वर्ष पूर्व कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश इतनी तीव्र गति से ऐसा मुकाम हासिल कर पायेगा। यहाँ दो पंक्तियाँ प्रस्तुत है–

पैदा नजर–नजर में एक ऐसा मुकाम कर,
दुनिया सफर करे तेरे दामन को थाम कर।

सड़क एवं सेतु

- राज्य राजमार्गों के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण कार्यों हेतु 2881 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- धर्मार्थ मार्गों के विकास हेतु 1750 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राज्य सड़क निधि से सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ रूपये तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- औद्योगिक/लॉजिस्टिक पार्क हेतु 04 लेन मार्गो के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण/निर्माण कार्य हेतु 800 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- चीनी मिल परिक्षेत्र में कृषि विपणन सुविधाओं हेतु मार्गों का चौड़ीकरण एवं सदृढ़ीकरण/नवनिर्माण/पुर्ननिर्माण कार्यों हेतु 500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- रेलवे उपरिगामी/अधोगामी सेतुओं के निर्माण हेतु 1350 करोड़ रूपये एवं ग्रामीण सेतुओं हेतु 1500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शहरों एवं कस्बों में ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए शहरों में फ्लाईओवर आदि के निर्माण हेतु 1000 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

- हमारी सरकार द्वारा 31 सिंचाई परियोजनायें पूर्ण की गयी जिससे 22 लाख 75 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचन क्षमता

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

सृजित हुई जिसका लाभ 46 लाख 69 हजार कृषकों को प्राप्त हुआ।

- विभिन्न जनपदों में 6,600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण तथा डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इन कार्यों से लगभग 1.33 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना होगी तथा लगभग 1.10 लाख कृषक परिवार लाभान्वित होंगे।

- नहरों एवं सरकारी नलकूपों से किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा हेतु 1100 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

- नदी में सुधार एवं कटाव निरोधक परियोजनाओं (नाबार्ड पोषित) के लिए 1530 करोड़ 60 लाख रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

- डार्क जोन के असफल 569 नलकूपो के लिये 70 करोड़ रूपये की व्यवस्था की गई है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति

- **जल जीवन मिशन** हेतु 22,000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जिसमें 2000 करोड़ रूपये की धनराशि अनुरक्षण मद हेतु है।

- **मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना** हेतु 1020 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- वर्षा जल संचयन एवं भू–जल संवर्द्धन योजना हेतु 80 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग 51 प्रतिशत अधिक है।

- ग्राउण्ड वॉटर रीचार्जिंग एवं चेकडैम निर्माण हेतु 65 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत अधिक है।

नागरिक उड्डयन

प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आर0सी0एस0–'उड़ान') तथा राज्य सरकार की **''उत्तर प्रदेश नागर विमानन प्रोत्साहन नीति''** के माध्यम से की जा रही है।

- गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में वायुयान द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में 19.2 प्रतिशत की वृद्वि हुई है।
- हवाई कनेक्टिविटी के लिए चयनित एयरपोर्ट्स यथा अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती तथा चित्रकूट को विकसित किया जा चुका है तथा म्योरपुर (सोनभद्र) व सरसावा (सहारनपुर) एयरपोर्ट्स का विकास कार्य प्रशस्त है।
- अयोध्या में 'महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम' का विकास कराया गया है। अयोध्या में एयरपोर्ट की स्थापना एवं विस्तार हेतु 150 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा भूमि अर्जन हेतु भूमि क्रय मद में 1100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद–गौतमबुद्व नगर के जेवर में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की स्थापना कार्य एवं भूमि क्रय हेतु 1150 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ऊर्जा

- वर्ष 2023–2024 में अप्रैल से दिसम्बर तक जनपद मुख्यालय पर 24 घन्टे, तहसील मुख्यालय पर 21:34 घन्टे और ग्रामीण क्षेत्र में 18:09 घन्टे विद्युत आपूर्ति की गयी।
- वर्ष 2017–18 से 1,21,324 मजरे विद्युतीकृत किये जा चुके हैं।
- प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क और अन्य ग्रामीण परिवारों को 50 रूपये की 10 मासिक किश्तों में बिजली कनेक्शन देने की सुविधा दी गयी। इस योजना में 62.18 लाख इच्छुक घरों को विद्युत संयोजन निर्गत किए गए।
- पारेषण तंत्र की कुल क्षमता जो वित्तीय वर्ष 2016–2017 में 16,348 मेगावॉट थी, को वर्ष 2022–2023 में बढ़ाकर 28,900 मेगावॉट तक किया गया है जिसे वित्तीय वर्ष 2023–2024 तक बढ़ाकर 31,500 मेगावॉट तक किया जाना लक्षित है।
- भारत सरकार की ग्रीन एनर्जी कारिडोर–2 परियोजना के अन्तर्गत प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु 4000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क का विकास किया जाना नियोजित है।

- वर्ष 2016–2017 में उत्पादन निगम लिमिटेड की इकाईयों का कुल विद्युत उत्पादन 33,556 मिलियन यूनिट था जिसके सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2022–2023 में 39,746 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन प्राप्त किया गया है।

- ग्रीष्मकाल में अनवरत विद्युत आपूर्ति हेतु 2000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

- निजी नलकूप उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 1800 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।

अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत

- **उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति–2022** के अन्तर्गत आगामी 5 वर्षो में 22000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में वर्ष 2017 में 288 मेगावॉट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं थी जो अब लगभग 2600 मेगावॉट है।

- प्रदेश में अब तक 328 मेगावॉट की सोलर रूफटॉप परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी है।

- अयोध्या एवं वाराणसी शहर को मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक मार्ग प्रकाश की सुविधा हेतु अब तक लगभग 3.35 लाख सोलर स्ट्रीट लाइट संयंत्रों की स्थापना करायी जा चुकी है।

- पी0एम0 कुसुम घटक सी–1 के अन्तर्गत निजी ऑनग्रिड पम्पों के सोलराईजेशन हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुना है।

- उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति, 2022 के क्रियान्वयन हेतु 60 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

आवास एवं शहरी नियोजन

- मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन के अन्तर्गत टाउनशिप विकसित किये जाने हेतु वर्ष 2024–2025 के बजट में 3000 करोड रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 914 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 395 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- आगरा मेट्रो रेल परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 346 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- अयोध्या के सर्वांगीण विकास हेतु 100 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप–वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

नगर विकास

- **प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)** के अन्तर्गत वर्ष 2007 से 2017 तक प्रदेश में मात्र 2.51 लाख मकान निर्मित किये गये जबकि वर्ष 2017 से अद्यतन उत्तर प्रदेश में लगभग 17.65 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल लगभग 35,236 करोड़ रूपये से अधिक धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तान्तरित की गयी है। योजना हेतु लगभग 3948 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- वर्ष 2021 में प्रारम्भ की गयी **अमृत 2.0 योजना** हेतु 4500 करोड रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **महाकुम्भ मेला 2025** का भव्य आयोजन विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ किये जाने हेतु 2500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री–ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (अर्बन)** के अन्तर्गत 800 करोड़ रूपये प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 60 प्रतिशत अधिक है।

- प्रदेश के शहरों को बाढ़ की समस्या एवं जलभराव से मुक्ति हेतु **अर्बन फ्लड एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना** प्रारम्भ की गयी जिस के लिये 1000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित मलिन बस्ती विकास योजना** हेतु 675 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग दो गुना है।

- नगरीय सेवायें और अवस्थापना विकास की नई योजना हेतु 500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- **राज्य स्मार्ट सिटी योजना** हेतु 400 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 63 प्रतिशत अधिक है।

- **कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना** हेतु 400 करोड रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।

नियोजन

- **त्वरित आर्थिक विकास योजना** हेतु 2400 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- जनपदों की स्थानीय आवश्यकताओं की तात्कालिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्यों के क्रिटिकल गैप्स की पूर्ति हेतु **क्रिटिकल गैप्स योजना** के अन्तर्गत 95 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तावित है।

- **पूर्वांचल विकास निधि** हेतु 575 करोड़ रूपये एवं **बुन्देखण्ड विकास निधि** हेतु 425 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ग्राम्य विकास

- **प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)** के अन्तर्गत वर्ष 2016 में मात्र 1.40 लाख आवास स्वीकृत किये गये थे जबकि हमारी सरकार द्वारा अब तक 36 लाख 15 हजार आवास स्वीकृत किये गये हैं जिनमें से 34 लाख 14 हजार आवास पूर्ण किये जा चुके हैं और शेष निर्माणाधीन है। योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 में लगभग 2441 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री आवास योजना– ग्रामीण** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018–2019 से 2023–2024 तक अद्यावधिक 02 लाख 03 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण करा लिया गया है। योजना हेतु 1140 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **विधान मण्डल क्षेत्र विकास योजना** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–2025 में विकास कार्यों के लिये 2520 करोड़ रूपये (जी0एस0टी0सहित) की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना** के क्रियान्वयन हेतु लगभग 5060 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** हेतु लगभग 3695 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** हेतु 3668 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पंचायती राज

- **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)** हेतु 4867 करोड़ 39 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।
- बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण हेतु लगभग 57 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **उत्तर प्रदेश मातृ भूमि योजना** हेतु 33 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपेन जिम के निर्माण हेतु 25 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर,

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा के नीचे निवास करने वाले व्यक्तियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रदेश में सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों का वृहद पैमाने पर निर्माण कर प्रदेश को ओ0डी0एफ0 करने में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।

आँख का हर अश्रु कण हंसने लगा है,
ढ़ल गयी है आह भी संगीत में,
जगमगाता है हृदय का अंधकार,
कष्ट परिवर्तित हुए हैं गीत में।

कृषि

उत्तर प्रदेश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु सरप्लस राज्य के रूप में देश में अपना स्थान बनाये हुए है।

- प्रदेश में कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 241.70 लाख हेक्टेयर है, जिसमें 160.95 लाख हेक्टेयर में खेती की जाती है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.1 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य है।
- कृषकों के निजी नलकूपों को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 2400 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।
- **पी0एम0 कुसुम योजना** के क्रियान्वयन हेतु 449 करोड़ 45 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।
- कृषि को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से तीन नई योजनायें प्रारम्भ की जा रही है, यथा– **राज्य कृषि विकास**

योजना, विश्व बैंक सहायतित यू0पी0 एग्रीज योजना तथा प्रदेश के विकास खण्डों एवं ग्राम पंचायतों में ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन– ऑटोमैटिक रेन गेज की स्थापना। इन योजनाओं हेतु क्रमशः 200 करोड़ रूपये, 200 करोड़ रूपये एवं 60 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना** प्रारम्भ की जा रही है जिसके लिये 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2022 के अन्तर्गत पात्र इकाईयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किये जाने हेतु 300 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में तीन गुनी है।

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2017 के अन्तर्गत 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग

- प्रदेश में औसत गन्ना उत्पादकता 72 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 84 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो गयी है। गन्ने के साथ सहफसली खेती का आच्छादन बढ़ने से कृषकों को 25 प्रतिशत की अतिरिक्त आमदनी हुई।

- वर्तमान पेराई सत्र 2023–2024 में 29.66 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती तथा चीनी का उत्पादन 110 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है।

- किसान सहकारी चीनी मिल, ननौता, जनपद सहारनपुर की कार्यक्षमता सुधार, सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, गजरौला, जनपद अमरोहा की पेराई क्षमता 2500 टी.सी.डी. से बढ़ाकर 4900 टी.सी.डी. करने तथा सल्फरलेस रिफाइण्ड शुगर का उत्पादन करते हुये एक लाख लीटर प्रतिदिन एथनॉल उत्पादन क्षमता की आसवनी एवं कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लाण्ट की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

- पिपराईच एवं मुण्डेरवा में स्थापित 5000 टी.सी.डी. क्षमता की नई चीनी मिलों में 27 मेगावॉट के बिजली उत्पादन संयंत्र तथा सल्फरलेस शुगर प्लाण्ट की स्थापना भी की गयी है।

कृषि शिक्षा एवं अनुसन्धान

- नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय गोण्डा का संचालन शैक्षणिक सत्र 2023–2024 से करते हुए पठन–पाठन कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

- कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में विभिन्न नये कार्यों हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुशीनगर की स्थापना हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दुग्ध विकास

- **दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण** एवं पुनर्जीवित करने की योजना हेतु 106 करोड़ 95 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **नन्द बाबा दुग्ध मिशन योजना** हेतु 74 करोड़ 21 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है।

- उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति–2022 के अन्तर्गत प्रदेश में स्थापित होने वाले दुग्ध उद्योग की इकाईयों को प्रोत्साहन स्वीकृत किये जाने हेतु 25 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- जनपद मथुरा में 30 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता (विस्तारीकरण 01 लाख लीटर प्रतिदिन) के नवीन डेरी प्लान्ट के निर्माण हेतु 23 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पशुपालन

- गो संरक्षण एवं निराश्रित/बेसहारा गोवंश की समस्या के निराकरण हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में 303 वृहद गो–संरक्षण केन्द्र संचालित हैं।

- प्रदेश में लगभग 7,239 गोवंश आश्रय स्थल संचालित है। इन आश्रय स्थलों में शहरी तथा ग्रामीण अंचलों में कुल 14 लाख 38 हजार गोवंशीय पशु संरक्षित किये गये हैं।

- पशुरोग नियंत्रण योजना हेतु 195 करोड़ 94 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 68 प्रतिशत अधिक है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- जनपद गोरखपुर एवं भदोही में पशुचिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना हेतु 78 करोड़ 55 लाख रूपये प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना है।

मत्स्य

- प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाये जाने के दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना वर्ष 2020 से वर्ष 2025 तक संचालित है।
- **प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना** के अन्तर्गत एक्वा पार्क के निर्माण की नयी योजना हेतु 190 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना** के अन्तर्गत पुरूष एवं महिला लाभार्थियों को आच्छादित किये जाने हेतु कुल 310 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सहकारिता

- वर्ष 2023–2024 में दिसम्बर, 2023 तक 8,787 करोड़ रूपये का अल्पकालिक ऋण वितरित किया गया जिसका लाभ 14.35 लाख कृषकों को प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2023–2024 में दिसम्बर, 2023 तक 257 करोड़ रूपये का दीर्घकालिक ऋण वितरित किया गया।
- प्रारम्भिक सहकारी ऋण समितियों के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर फसली ऋण उपलब्ध कराने हेतु 525 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- भण्डारण योजना के अन्तर्गत पैक्स के गोदामों के सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत हेतु 30 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

खाद्य एवं रसद

- रबी विपणन वर्ष 2023–24 हेतु भारत सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू0 2125 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया। प्रदेश में 54,684 कृषकों से 2.20 लाख मीट्रिक टन गेहूँ क्रय किया गया, जिसके सापेक्ष कृषकों के बैंक खातों में लगभग 466 करोड 35 लाख रूपये का सीधे भुगतान किया गया।

- खरीफ विपणन वर्ष 2023–24 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कॉमन श्रेणी हेतु 2183 रूपये प्रति कुन्तल एवं ग्रेड–ए श्रेणी हेतु 2203 रूपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया। अद्यतन लगभग 7.50 लाख कृषकों से 50.18 लाख मीट्रिक टन धान खरीद की गयी जिसके सापेक्ष कृषकों के बैंक खातों में 10,856 करोड़ रूपये का सीधे भुगतान किया गया।

- खरीफ विपणन वर्ष 2023–24 में मक्का, बाजरा तथा ज्वार के लिये भी भारत सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किये गये। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करते हुये किसानों के बैंक खातों में सीधे भुगतान किया गया।

- **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना** के अन्तर्गत वर्ष 2023–2024 में 56 लाख से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलिन्डर वितरित किये गये हैं।

- **अन्न पूर्ति योजना** हेतु 17,661 करोड़ 60 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- निःशुल्क खाद्यान्न एवं उज्जवला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क एल0पी0जी0 सिलिन्डर रीफिल उपलब्ध कराये जाने हेतु 2200 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

- प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नये सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना हेतु वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से **''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान''** प्रारम्भ किया जा रहा है जिसके लिये 1000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना** जो 2023 से संचालित है में अधिकतम 5 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता सूक्ष्म उद्यमियों को दिये जाने की व्यवस्था है।

- निजी क्षेत्र मे औद्योगिक संस्थानों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रदेश में 10 प्लेज पार्क स्थापित किये जा रहे हैं।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग

- वित्तीय वर्ष 2024–2025 में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 40,000 रोजगार सृजन का लक्ष्य है। प्रदेश में टेक्सटाइल्स के नये हब बनाकर निवेश एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जायेगा।

- प्रदेश सरकार द्वारा हथकरघा बुनकरों के साथ–साथ पावरलूम बुनकरों के उत्थान के लिये **अटल बिहारी बाजपेई पावरलूम विद्युत फ्लैट रेट योजना** हेतु 400 करोड़ रूपये का बजट प्रस्ताव है।

- **पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल्स एण्ड अपैरल योजना** के अन्तर्गत लखनऊ–हरदोई में लगभग 1000 एकड़ क्षेत्रफल में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्वीकृत किया गया है। यह पार्क टेक्सटाइल एवं परिधान क्षेत्र में दस से पन्द्रह हजार करोड़ रूपये का निवेश आकर्षित करेगा जिससे लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। पार्क की स्थापना हेतु 200 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- जनपद वाराणसी में नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलाजी (निफ्ट) की स्थापना के लिये भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तावित है।

खादी एवं ग्रामोद्योग

- पं0 दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत लाभार्थियों को ब्याज उपादान की सुविधा 3 वर्षों तक दिये जाने का प्राविधान है। योजना हेतु 14 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- खादी एवं ग्रामोद्योग विकास तथा सतत रोजगार प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत 15 करोड़ 75 लाख की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- प्रदेश में माटी कला के परम्परागत कारीगरों को रोजगार से जोड़ने हेतु माटी कला समन्वित विकास कार्यक्रम के लिये 11 करोड़ 25 लाख रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

आई.टी. एवं इलेक्ट्रॉनिक्स

- उत्तर प्रदेश डाटा सेन्टर नीति–2021 के अन्तर्गत 03 अत्याधुनिक निजी डाटा सेन्टर पार्क्स विकसित करने तथा राज्य में 250 मेगावॉट डाटा सेन्टर उद्योग का विकास किये जाने का लक्ष्य था। नीति को अधिक युक्तिसंगत बनाते हुये 08 डेटा सेन्टर स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें प्रदेश में 30,000 करोड़ रूपये के अनुमानित निवेश से 900 मेगावॉट क्षमता के सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

- **उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2017** के तहत 20,000 करोड़ रूपये से अधिक निवेश का लक्ष्य प्राप्त किया गया तथा लगभग 3 लाख रोजगार सृजित हुये।

- सरकार द्वारा अधिसूचित **नई इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2020** के अन्तर्गत 40,000 करोड़ रूपये का निवेश आकर्षित करने तथा राज्य में 03 सेण्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है।

- **ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट– 2023** में इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण क्षेत्र के 210 सम्भावित निवेशकों से लगभग 3867 करोड़ रूपये के निवेश और लगभग 2.15 लाख व्यक्तियों हेतु रोजगार सम्भावनाओं युक्त अभिरूचियाँ प्राप्त हुई है।

बेसिक शिक्षा

- छात्र/छात्राओं के लिये यूनीफार्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता मोजा एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये क्रय प्रक्रिया को बन्द करते हुये डी0बी0टी0 के माध्यम से 1200 रूपये प्रति बच्चे की दर से धनराशि सीधे अभिभावकों के खाते में हस्तान्तरित की जा रही है।

- कक्षा–1 से 08 तक अध्ययनरत लगभग 02 करोड़ से अधिक छात्र–छात्राओं के लिये निःशुल्क स्वेटर एवं जूता–मोजा उपलब्ध कराने हेतु 650 करोड़ तथा स्कूल बैग हेतु 350 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है ।

- अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के 02 लाख से अधिक बच्चों को वित्तीय वर्ष 2024–2025 मे प्रवेश दिलाये जाने का लक्ष्य है, जिस हेतु 255 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **ऑपरेशन कायाकल्प** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 1000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित हैं।

- वित्तीय वर्ष 2023–2024 में 300 करोड रूपये से ग्राम पंचायत एवं वॉर्ड स्तर पर **डिजिटल लाइब्रेरी** की स्थापना करायी जा रही है जिसके लिये वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 498 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- वनटांगिया गावों में 36 प्राथमिक विद्यालयों के संचालन हेतु 144 पद सृजित किये गये है।

- गरीबी रेखा से ऊपर के लगभग 30 लाख छात्रों को निःशुल्क यूनिफार्म वितरण हेतु 168 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

माध्यमिक शिक्षा

- वर्ष 2024–2025 तक प्रदेश के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को आधारभूत सुविधाओं से संतृप्त किये जाने एवं

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

प्रत्येक राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास तथा आई.सी.टी. लैब की व्यवस्था किये जाने हेतु समग्र शिक्षा योजना के अन्तर्गत 516.64 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं हेतु 200 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नवीन राजकीय संस्कृत विद्यालयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजकीय संस्कृत विद्यालयों में छात्रावास एवं मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु 10.46 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सैनिक स्कूल, गोरखपुर के संचालन हेतु 4 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा

- विन्ध्याचल धाम मण्डल में माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद मण्डल मे एक राज्य विश्वविद्यालय तथा देवी पाटन मण्डल में माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिये 51.20 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शिक्षा को प्रोत्साहित किये जाने हेतु **मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन** योजनान्तर्गत 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु 30 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नये राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना तथा राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण किये जाने हेतु 55 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्राविधिक शिक्षा

- प्रदेश में डिप्लोमा स्तरीय 169 संस्थाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। 75 राजकीय पालीटेक्निक निर्माणाधीन/अवस्थापना की प्रक्रिया में हैं, जिन्हें निकट भविष्य में पी0पी0पी0 मोड पर संचालित किया जाना है।
- वर्तमान में 1874 निजी क्षेत्र की डिप्लोमा स्तरीय संस्थाओं में छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
- ए0के0टी0यू0 द्वारा उत्तर प्रदेश स्टार्ट अप पालिसी–2020 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सेन्टर ऑफ एडवांस स्टडीज के अन्तर्गत एक इनोवेशन हब की स्थापना की गयी है जिसके

अन्तर्गत 15 इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित है। उक्त के साथ–साथ 265 स्टार्ट अप्स ऑन बोर्ड हो गये हैं।

व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास

- हमारी सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था हेतु 01 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया गया है। वर्तमान में माध्यमिक स्तर के 804 राजकीय एवं 729 सहायता प्राप्त विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास मिशन के माध्यम से **प्रवीण योजनान्तर्गत** 301 राजकीय विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के साथ–साथ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था है। युवाओं को दीर्घकालीन व अल्पकालीन रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन तथा असेवित क्षेत्रों में नवीन केन्द्रों की निजी संस्थाओं की भागीदारी के साथ स्थापना भी की जा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी कौशल आधारित पाठ्यक्रम– बी0बी0ए0 (रिटेल), बी0बी0ए0 (लॉजिस्टिक), बी0बी0ए0 (हेल्थकेयर) एवं बी0बी0ए0 (टूरिज्म व हॉस्पिटैलिटी) के लिये 113 महाविद्यालयों का चयन किया गया है।

- व्यावसायिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिये कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिये **व्यावहारिक या वोकेशनल ओरियेंटेशन कार्यक्रम** तथा माध्यमिक स्तर पर वित्तीय वर्ष 2024–2025 में व्यावसायिक शिक्षा योजना के सुदृढ़ीकरण हतु विद्यालयों को हब एवं स्पोक्स मॉडल के रूप में विकसित करते हुये स्थानीय मांग एवं ओ0डी0ओ0पी0 के अनुरूप अधिकाधिक विद्यार्थियों को जॉब रोल/सेक्टर में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क एवं नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की योजना है। इसमें राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के माध्यम से 12वीं उत्तीर्ण करने पर यू0पी0 बोर्ड के प्रमाण–पत्र के साथ–साथ कम्प्यूटर शिक्षा में प्रमाण–पत्र प्रदत्त किये जाने पर बल दिया जायेगा। विद्यार्थियों को प्राप्त किये जाने वाले कौशल प्रशिक्षण के क्रेडिट उनके क्रेडिट बैंक में सम्मिलित किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के साथ–साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

- टाटा टेक्नोलोजीज लिमिटेड की सहभागिता से प्रदेश के राजकीय क्षेत्र के 150 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक कार्यशालाओं एवं कक्षा कक्षों का निर्माण अन्तिम चरण में गतिमान है। प्रदेश के अन्य ऐसे अवशेष 69 संस्थान जहॉ कम से कम 5000 वर्ग फीट की भूमि उपलब्ध है का उन्नयन वित्तीय वर्ष 2024–2025 में कराया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए 818.75 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से युवाओं को उद्योगों में भत्ते के साथ प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के क्रम में **मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना** के लिए वित्तीय वर्ष 2024–2025 में 70 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

खेल

- आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में अध्ययनरत खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता के दृष्टिगत 50 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को मानदेय 1.50 लाख रूपये प्रतिमाह पर प्रशिक्षण हेतु आबद्ध किये जाने की व्यवस्था की गयी है।

- विभिन्न जनपदों में खेल अवस्थापनाओं के विकास हेतु 195 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 67 प्रतिशत अधिक है।

- प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- स्पोर्टस साइन्स एण्ड इन्जरी सेन्टर की स्थापना हेतु 12 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

धमार्थ कार्य

- श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से गंगा नदी तक के मार्ग के विस्तारीकरण/सौन्दर्यीकरण के पश्चात श्रद्धालुओं की संख्या में 4 से 5 गुना वृद्धि हुई है।

- जनपद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य के दृष्टिगत पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की संख्या में सम्भावित वृद्धि के दृष्टिगत 03 पहुंच मार्गों का चौड़ीकरण/सौन्दर्यीकरण का कार्य एवं 6 स्थानों पर पार्किंग तथा जन सुविधाओं का विकास कार्य किया जा रहा है।

- जनपद मिर्जापुर में विन्ध्याचल स्थित त्रिकोणीय क्षेत्र में माँ विन्ध्यवासिनी मंदिर, माँ अष्टभुजा मंदिर, माँ कालीखोह मंदिर को जोड़ने वाले त्रिकोण संरेखण में आने वाले परिक्रमा मार्गों एवं जन सुविधाओं के उन्नयन हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

संस्कृति

- महाकुम्भ, 2025 के अन्तर्गत विभिन्न कार्यो हेतु 100 करोड़ रूपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।

- निषाद राज गुहा सांस्कृतिक केन्द्र, श्रृंगवेरपुर की स्थापना हेतु 14.68 करोड़ रूपये, जनपद आजमगढ़ के हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय की स्थापना हेतु 11.79 करोड़ रूपये तथा महर्षि वाल्मीकि सांस्कृतिक केन्द्र चित्रकूट की स्थापना हेतु 10.53 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या हेतु 10 करोड़ रूपये प्रस्तावित है।

पर्यटन

उत्तर प्रदेश में वर्ष–2023 में जनवरी से अक्टूबर तक 37 करोड़ 90 लाख से अधिक पर्यटक आए, जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 37 करोड़ 77 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या लगभग 13 लाख 43 हजार है।

- प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। इस अवसर पर राम की पैड़ी पर 22 लाख 23 हजार दीप जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया।

- अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट, लखनऊ, विन्ध्याचल, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर, मथुरा, बटेश्वर धाम, गढ़मुक्तेश्वर, शुकतीर्थ धाम, माँ शाकुम्भरी देवी, सारनाथ एवं अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराये जा रहे हैं।

- **''मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना''** के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल को विकसित किए जाने की योजना है।

मान्यवर,

भारत की संस्कृति धार्मिक, बौद्धिक, वैज्ञानिक रूप से अत्यन्त समृद्ध रही है। दुनिया के लिये यह एक आश्चर्य का विषय रहा है कि इतनी प्राचीन संस्कृति संदियों तक बाहरी आक्रमणों के बावजूद किस प्रकार अभी भी अविच्छिन्न बनी हुई है। यह उनके लिये आश्चर्य का विषय हो सकता है परन्तु हमारे लिये यह जीवनशैली है। पूर्ववर्ती सरकारों ने हमारे सांस्कृतिक धरोहरों की अनदेखी की परन्तु माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सांस्कृतिक धारा अधिक प्रवाहमयी हो रही है–

यूनान, मिश्र, रोमा सब मिट गए जहाँ से,
अब तक मगर है बाकी नामों–निशां हमारा।।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

वन एवं पर्यावरण

राज्य सरकार प्रदेश में हरीतिमा वृद्धि हेतु सतत् प्रयासरत है। वर्तमान में उ0प्र0 में वनावरण एवं वृक्षावरण प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र का 9.23 प्रतिशत है। वर्ष 2030 तक वनावरण एवं वृक्षावरण 15 प्रतिशत तक किये जाने का लक्ष्य है।

- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023–24 में उत्तर प्रदेश में हरीतिमा विस्तार हेतु प्रदेश में वृहद स्तर पर 35 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 36.16 करोड़ पौधारोपण का कार्य कराया गया। वर्षाकाल–2024 में 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य प्रस्तावित है।
- सामाजिक वानिकीकरण योजना हेतु 600 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पौधशाला प्रबन्धन योजना हेतु 175 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रीन इण्डिया मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों हेतु 110 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड प्रोजेक्ट एलीफेन्ट योजना हेतु 48.94 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद लखनऊ स्थित कुकरैल वन क्षेत्र में कुकरैल नाइट सफारी पार्क की स्थापना हेतु 50 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

समाज कल्याण

- वृद्धावस्था पेंशन हेतु 7377 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिलाओं के भरण पोषण अनुदान हेतु 4073 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु 1862 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना** के अन्तर्गत अनुसूचित जाति तथा सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों की पुत्रियों हेतु 600 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

जनजाति विकास

- अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम जनपद लखीमपुर–खीरी, बलरामपुर,

बिजनौर एवं बहराइच/ श्रावस्ती तथा महराजगंज में संचालित हैं।

- लघुवन उपजों हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत नान टिम्बर लघु वन उपजों को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय हेतु लघुवन उपजों के विपणन, हाट एवं बाजारों के सुदृढ़ीकरण व गोदामों के निर्माण को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण

- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र–छात्रों को छात्रवृत्ति योजना हेतु 2475 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना हेतु 200 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 35 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र छात्राओं के छात्रावास निर्माण हेतु लगभग 22 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण

- दिव्यांग पेंशन योजना हेतु 1170 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कुष्ठावस्था पेंशन योजना हेतु 42 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण अनुदान योजना के अन्तर्गत लगभग 49,000 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य है।

अल्पसंख्यक कल्याण

- वर्ष 2022–2023 से मल्टी सेक्टोरल डेवलमेन्ट कार्यक्रम प्रदेश के सभी जनपदों में लागू है। कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के सृजन पर अधिकाधिक बल दिया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष 2022–2023 में 204 परियोजनाओं को पूर्ण कराते हुये जनोपयोगी बनाया गया। वित्तीय वर्ष 2022–2023 में पूर्ण परियोजना इकाईयों में 07 राजकीय पॉलीटेक्निक, 04 आई0टी0आई0, 12 राजकीय इण्टर कालेज, 25 प्राईमरी स्कूल,

10 अपर प्राइमरी स्कूल, 09 अतिरिक्त कक्षा–कक्ष 02 छात्रावास, 51 आगनबाडी केन्द्र, 03 ट्वायलेट ब्लाक 02 सी0एच0सी0, 02 पी0एच0सी0 तथा 01 होम्योपैथिक चिकित्सालय सम्मिलित है।

- अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु 220 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

न्याय

- जनपद प्रयागराज में निर्माणाधीन राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हेतु 100 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में न्यायालयों की स्थापना हेतु 300 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पायलट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत न्यायालय परिसर के निर्माण हेतु 700 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अधिवक्ता कल्याण निधि को 200 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 500 करोड़ रूपये किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- उत्तर प्रदेश अधिवक्ता सामाजिक निधि योजना के सदस्य अधिवक्ता की मृत्यु हो जाने की दशा में अनुमन्य सहायता की अधिकतम सीमा को 1.50 लाख रूपये से बढ़ाकर 5 लाख रूपये कर दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास

- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 1,89,796 आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से 06 माह से 06 वर्ष आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के सर्वांगीण विकास की योजनाओं का संचालन कराया जा रहा है।
- प्रदेश में अनुपूरक पुष्टाहार से लगभग 2 करोड़ 6 लाख लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है।
- हॉट कुक्ड मील योजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में 03 वर्ष से 06 वर्ष आयु के 79.37 लाख बच्चों को गर्म पका भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- पुष्टाहार कार्यक्रम हेतु लगभग 5129 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय के भुगतान हेतु लगभग 971 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- कन्या सुमंगला योजना हेतु 700 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

श्रम

- **संत रविदास शिक्षा सहायता योजना** एवं **मेधावी छात्र पुरस्कार योजना** को एकीकृत करते हुये नयी योजना **''संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना''** कर दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक 1,86,270 छात्र छात्राओं को लाभ हुआ तथा लगभग 58 करोड़ 46 लाख रूपये की धनराशि व्यय की गई।

- **कन्या विवाह सहायता योजना** के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिक की कुल 02 बालिकाओं को स्वजातीय विवाह की स्थिति में 55,000 रूपये तथा अन्तर्जातीय प्रकरणों में 61,000 रूपये की रकम दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक लाभार्थी श्रमिक संख्या 2,38,856 है तथा लगभग 1302 करोड़ रूपये की धनराशि व्यय की गई है।

- निर्माण श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक मण्डल में एक एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं जिसकी कुल निर्माण लागत 1267 करोड़ रूपये है।

- 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जा चुका है। वर्तमान में कक्षा–6 हेतु शैक्षणिक सत्र 2023–24 प्रारम्भ हो चुका है।

राजस्व

- प्रदेश में एण्टी भू–माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 3,72,039 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें से 3,70,748 शिकायतें निस्तारित की गयी तथा अभियान के अन्तर्गत कुल 66,872 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है।

- **मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना** के अन्तर्गत 1000 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- प्रदेश में शीतलहर के बचाव हेतु निराश्रित व्यक्तियों को कम्बल वितरण एवं सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने हेतु जनपदों को 52.79 करोड़ रूपये की धनराशि दिनांक 18 जनवरी, 2024 तक जारी की जा चुकी है। जनपदों द्वारा अभी तक कुल 6,66,870 कम्बलों का वितरण किया जा चुका है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

- राज्य आपदा मोचन बल की वर्तमान में 3 कम्पनियां स्थायी रूप से हैं तथा 3 कम्पनियों के नव सृजन की कार्यवाही प्रचलित है।

परिवहन

- रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेश की महिला यात्रियों को निगम बसों में निःशुल्क यात्रा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 तक 1.03 करोड़ से अधिक महिला यात्रियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गयी है।

- बस यात्रियों को सस्ती एवं गुणवत्ता पूर्ण यात्रा सुलभ कराये जाने के उद्देश्य से बस बेड़ो में वृद्धि हेतु 500 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- निर्भया योजना के अन्तर्गत महिलाओं के लिये 50 वातानुकूलित पिंक सेवायें संचालित हैं, जिसमें महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु सभी बसों में पैनिक बटन स्थापित है। किसी भी आपदा की स्थिति में यात्रारत महिलायें उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल 112 सेवा के निरन्तर सम्पर्क में रहती है।

मान्यवर,

विभागवार महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु आय–व्ययक में की गई व्यवस्थाओं का विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात् मैं, राजकोषीय सेवाओं का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ।

राजकोषीय सेवायें

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्द्धित कर

- राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्धित कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 01 लाख 56 हजार 981 करोड़ 89 लाख रुपये (1,56,981.89 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

आबकारी शुल्क

- आबकारी शुल्क से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 58 हजार 307 करोड़ 56 लाख रुपये (58,307.56 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

स्टाम्प एवं पंजीकरण

- स्टाम्प एवं पंजीकरण से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 35 हजार 651 करोड़ 93 लाख रुपये (35,651.93 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

वाहन कर

- वाहन कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 12 हजार 504 करोड़ 73 लाख रुपये (12,504.73 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

वित्तीय वर्ष के बजट अनुमान 2024–2025

मान्यवर,

- प्रस्तुत बजट का आकार 07 लाख 36 हजार 437 करोड 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रूपये) है।

- बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रूपये) की नई योजनाएं सम्मिलित की गई हैं।

प्राप्तियाँ

- कुल प्राप्तियाँ 07 लाख 21 हजार 333 करोड़ 82 लाख रुपये (7,21,333.82 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

- कुल प्राप्तियों में 06 लाख 06 हजार 802 करोड़ 40 लाख रुपये (6,06,802.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियाँ तथा 01 लाख 14 हजार 531 करोड़ 42 लाख रुपये (1,14,531.42 करोड़ रुपये) की पूँजीगत प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं।

- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 04 लाख 88 हजार 902 करोड़ 84 लाख रुपये (4,88,902.84 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 02 लाख 70 हजार 86 करोड़ रुपये (2,70,086 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 02 लाख 18 हजार 816 करोड़ 84 लाख रुपये (2,18,816.84 करोड़ रुपये) सम्मिलित है ।

व्यय

- कुल व्यय 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) अनुमानित है ।

- कुल व्यय में 05 लाख 32 हजार 655 करोड़ 33 लाख रुपये (5,32,655.33 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है तथा 02 लाख 03 हजार 782 करोड़ 38 लाख रूपये (2,03,782.38 करोड़ रुपये) पूँजी लेखे का व्यय है ।

समेकित निधि

- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 15 हजार 103 करोड़ 89 लाख रुपये (15,103.89 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है ।

लोक लेखा

- लोक लेखे से 05 हजार 500 करोड़ रुपये (5,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियाँ अनुमानित हैं ।

समस्त लेन–देन का शुद्ध परिणाम

- समस्त लेन–देन का शुद्ध परिणाम 09 हजार 603 करोड़ 89 लाख रुपये (9,603.89 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है।

अन्तिम शेष

- प्रारम्भिक शेष 38 हजार 189 करोड़ 66 लाख रुपये (38,189.66 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुये अन्तिम शेष 28 हजार 585 करोड़ 77 लाख रुपये (28,585.77 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजस्व बचत

- राजस्व बचत 74 हजार 147 करोड़ 07 लाख रुपये (74,147.07 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा

- राजकोषीय घाटा 86 हजार 530 करोड़ 51 लाख रुपये (86,530.51 करोड़ रुपये) अनुमानित है जो वर्ष के लिये अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.46 प्रतिशत है।

मान्यवर,

मैं, माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी, केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के माननीय सदस्यों और प्रदेश की मंत्रिपरिषद् के अपने सभी माननीय सदस्यों का अत्यन्त आभारी हूँ जिनके सहयोग एवं परामर्श से मैं बजट प्रस्तुत करने में सक्षम हो सका हूँ। मैं, अपर मुख्य सचिव, वित्त और वित्त विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्रधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों एवं प्रदेश सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने इस बजट को तैयार करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है ।

माननीय मुख्यमंत्री जी की कर्मठता, उनकी भविष्यलक्षी दूरदृष्टि, समाज को संगठित कर खुशहाली के मार्ग पर आगे ले चलने की क्षमता और समाज के हर वर्ग के लिये समदृष्टि के प्रति कदाचित यह पंक्तियाँ सटीक बैठती हैं–

तुम्हारी शख्सियत से ये सबक लेंगी नई नस्लें,
वहीं मंजिल पर पहुँचा है जो अपने पाँव चलता है।

अपनी तैयारी को गति एवं सही दिशा देने के लिए Result Mitra YouTube चैनल को सब्सक्राइब कीजिए और सुनील वर्मा सर की 100% Free Class देखिये। Sunil Verma सर की क्लासेज की गुणवत्ता 2 लाख की कोचिंग से भी बेहतर है।

Result Mitra App पर जाकर आप हमारेIAS/PCS Paid क्लास का भी हिस्सा बन सकते हैं.

हमारे Paid कोर्स की Fee निम्न प्रकार है. भारत का सबसे शानदार कोर्स सबसे न्यूनतम Fee पर उपलब्ध है.
1- UPSC (IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- MATH & REASONING for UPSC CSAT -1199 ₹
5- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
6- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

शानदार गुणवत्ता ही हमारी पहचान है.Result Mitra Join कीजिये और अपना Result प्राप्त कीजिये. Paid Course के विषय में जानकारी/सहायता के लिए निम्न नंबरों पर WhatsApp मैसेज कीजिये. 9235313184, 9235446806

Result Mitra